डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22
R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746
वर्ष : 10 > अंक : 11 > मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08
मीडिया दृष्टिकोण

हिलव्यू समाचार

साप्ताहिक समाचार पत्र
जयपुर, सोमवार, 28 अगस्त 2023
website: www.hsnews.in

हिलव्यू समाचार परिवार की ओर से रक्षाबंधन की शुभकामनाएँ व बधाई

पंचवटी सर्कल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, आदर्श नगर के लगभग 60-70 पेड़ काटकर करोड़ो की ज़मीन पर कब्ज़ा करने का प्रयास

एक पहल इंडिया नि:शुल्क कोचिंग की टीम सन्देह के घेरे में

बिना नंबर की गाड़ी और हरे-भरे पेड़ों को काटकर कौनसी शिक्षा की पहल करने जा रहा था एक पहल इंडिया?

शालिनी श्रीवास्तव/कुलदीप गुप्ता

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। पंचवटी सर्कल राजापार्क में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय,आदर्श नगर के लगभग 60-70 हरे-भरे पेड़ काटकर करोड़ों-अरबों की ज़मीन को कब्ज़ाने का प्रयास किया जा रहा है।आसपास कॉलोनी के कुछ जागरूक लोगों ने अपनी-अपनी मोहल्ला कमेटियों में सूचना वायरल की और लगभग 7 दिन से हो रही अवैध गतिविधि को एक साथ शनिवार 26 अगस्त को जाकर घेर लिया। इसके बाद भी इन संदिग्ध गतिविधियों को विराम नहीं दिया गया तो रविवार को 100-150 लोगों ने घेराव किया तो मामला जवाहर नगर थाना में पहुँच गया और कॉलोनीवासियों ने थाने में परिवाद दे दिया।

आसपास की कॉलोनी के लोगों ने बताया कि 'एक पहल इंडिया' के नाम की टी शर्ट पहनकर ख़ुद को शिक्षक बताने वाले अज्ञात व्यक्ति के साथ कुछ छात्र-छात्रा व हिज़ाब वाली लड़कियाँ यहाँ रोज़ आ जा रही हैं और ये लोग 'एक पहल इंडिया' के अभियान के तहत यहाँ नि:शुल्क कोचिंग चलाने का हवाला देकर मैदान में सफाई कर रहे हैं लेकिन इसी की आड़ में लगभग 60 से 70 हरे-भरे पेड़ तक काट दिए गए हैं और पूछने पर पेड़ काटने की बात पर कोई जवाब इस टीम द्वारा नहीं दिया गया है सिर्फ़ बताया कि पहल इंडिया की नि:शुल्क कोचिंग चलेगी यहाँ।

कॉलोनीवासियों ने इसी दौरान वीडियो बनाये और प्रत्यक्षदर्शियों से ज्ञात हुआ कि वह अज्ञात व संदिग्ध व्यक्ति बता रहा है कि पहल इण्डिया की टीम को सरकार की तरफ़ से यह ज़मीन अनुदान की गई है कोचिंग के लिए जबकि यह ज़मीन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पंचवटी सर्कल, आदर्शनगर राजापार्क की संपत्ति है। इधर पहल इंडिया के प्रबंधक देव अमित ने बताया कि भीड़ ने बेवजह हमसे अभद्रता की और भीड़ में मौजूद स्थानीय पार्षदों व भीड़ का कहना है कि यहाँ मंदिर बनेगा।

अब देखना ये है कि सरकार के शिक्षा विभाग की करोड़ों-अरबों की ज़मीन पर ये क्या तांडव हो रहा है यह शिक्षा विभाग को देखने की बेहद आवश्यकता है।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आदर्शनगर और उसके परिसर के पीछे का दृश्य जहाँ मैदान में काटे गए हरे-भरे पेड़ के ढेर।

मैं लंबे समय से अवकाश पर थी। हालांकि डीओ कार्यालय से हमें निःशुल्क कोचिंग के लिए जगह व जल सुविधा देने का ऑर्डर लिखित में आया हुआ है (लेटर दिखाते हुए)। अगर यहाँ पेड़ काटे गए हैं तो यह निंदनीय है मैं इसे उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाकर यथासम्भव कार्यवाही करूँगी।

निर्मला शर्मा, प्रिंसिपल
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय
आदर्शनगर राजापार्क

हमें डीओ साहब की तरफ से यहाँ निःशुल्क कोचिंग के लिए सुविधा दी गयी है। हम केवल आसपास के पेड़ हटाकर बैठने के लिए जगह बना रहे थे। आवश्यकता होगी तो टेंट या कमरे भी बनाये जा सकते हैं। कॉलोनीवासियों ने इसे स्थानीय विधायक रफ़ीक़ ख़ान की प्लानिंग बताकर हमारे साथ दुर्व्यवहार किया और कहा कि यहाँ मंदिर बनेगा।

देव अमित, प्रबंधक, एक पहल इंडिया

यह मुद्दा केवल हरे-भरे पेड़ काटने का है जो कि ग़लत हुआ है शिक्षा के लिए हरे-भरे पेड़ काटने का क्या मतलब? थाने में हमारा परिवाद इसी मुद्दे को लेकर है!

स्वाति परनामी, पार्षद वार्ड 149
आदर्शनगर राजापार्क

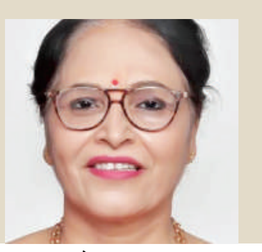

कुछ यक्ष प्रश्न

- विद्यालय साफ-सफाई के बारे में प्रिंसिपल को किसी भी तरह की सूचना क्यों नहीं दी गयी पहल इंडिया द्वारा।
- पहल इंडिया को विद्यालय हरे-भरे पेड़ काटने की क्या आवश्यकता थी?
- पहल इंडिया द्वारा मैदान में पोल गाड़ने का क्या अर्थ था?
- कोचिंग प्रबंधक के पास कोई सरकारी ऑथिरिटी लेटर क्यों नहीं था?
- पहल इंडिया कोचिंग का वाहन संदिग्ध क्यों था?
- कोचिंग के वाहन पर पीछे नंबर प्लेट क्यों नहीं थी?
- कोचिंग की लड़कियों ने कॉलोनीवासियों के साथ बदतमीजी क्यों की?
- स्थानीय पार्षदों ने शिक्षा विभाग की ज़मीन पर मंदिर बनने वाली बात क्यों कही?
- शिक्षा विभाग करोड़ों की ज़मीन के प्रति सतर्क क्यों नहीं जबकि भूमाफ़ियायों का आतंक है राजापार्क में।

मामला जितना हल्का नज़र आ रहा है उतना नहीं है। ऐसे में शिक्षा विभाग व प्रशासन को सतर्क होकर इस ज़मीन को सुरक्षित करने की आवश्यकता है।

ख़बर-बेख़बर

लाल डायरी के सूत्रधार आरटीडीसी चेयरमेन धर्मेंद्र राठौड़ का राठौड़ी प्रबन्धन सन्देह के घेरे में!

शॉर्टकट मीडिया मेन की पत्नी सृष्टि जैन तहसीलदार से डायरेक्ट बना दी गयी राजस्थान पर्यटन महाप्रबन्धक...क्यों?

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। परीक्षाएँ और इंटरव्यू देते -देते आदमी का जीवन घिस जाता है लेकिन अपने सपनों के मुक़ाम पर वह नहीं पहुँच पाता लेकिन सत्ता में बैठे दिग्गज़ों की कृपा दृष्टि पड़ जाए तो उनके करिअर की सृष्टि बदल जाती है।

जैसे राजस्व विभाग की तहसीलदार सृष्टि जैन की क़िस्मत आरटीडीसी चेयरमेन धर्मेंद्र राठौड़ की कृपा से बदल गयी है जो लाल डायरी कांड के मुख्य पात्र भी हैं।

यूँ तो सृष्टि जैन राजस्व विभाग के किसी तहसील के दफ़्तर की अधिकारी रहतीं कई सालों तक लेकिन अब प्रदेश के पर्यटन विभाग की महाप्रबंधक बन गईं हैं। जो अपने आप में सरकार की रीति-नीति पर एक सवालिया माहौल खड़ा करता है।

कई SDM और उनसे सीनियर अधिकारी गर्दन ऊँची करके ताकते ही रह गए और साल भर में उभरे टीवी चैनल के मीडिया मेन की पत्नी सृष्टि जैन आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ की अनुकम्पा के पंख लगाकर पर्यटन महाप्रबंधक के पद पर जा बैठी।

जबकि स्टेट पब्लिक सर्विस कमीशन (PCS) से चुने हुए एक तहसीलदार को लगभग 20-22 साल की सेवा के बाद SDM (उपखंड अधिकारी) के लेवल पर प्रमोट किया जाता है। तहसीलदार SDM का जूनियर लेवल का अधिकारी होता है। ऐसे में सृष्टि जैन को सारे अनुभवों की परीक्षा के परे जाकर पर्यटन महाप्रबंधक बनाना बेहद शोचनीय विषय है। तहसीलदार सृष्टि जैन पर राठौड़ की राठौड़ी अनुकम्पा न जाने कितने संघर्षरत अफ़सरों के अधिकारों व हक़ों पर कुठाराघात है। **सरकार का यह दोहरापन प्रशासनिक सेवाओं में सेवारत उच्च अधिकारियों के मनोबल को कमज़ोर करता रहा है।**

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के 'बनो चैम्पियन' ग्राम-स्तरीय सीजन-3 में बीस हज़ार युवाओं ने लिया भाग

जिला स्तरीय प्रतियोगिता सितंबर 2023 में होगी आयोजित

हिलव्यू समाचार

जयपुर। 28 अगस्त को स्मॉल फाइनेंस बैंक, एयू एसएफबी ने ''बनो चैम्पियन' ग्राम स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की। जो की ग्रामीण इलाकों के सुविधा-वंचित बच्चों के लिये बैंक का एक प्रमुख खेल कार्यक्रम है। इस ग्राम-स्तरीय खेल प्रतियोगिता के तीसरे सीजन का आयोजन 26 और 27 अगस्त, 2023 को राजस्थान के 75 जगहों में संपन्न हुआ, जहाँ ग्रामीण युवाओं की खेल की प्रतिभा को बढ़ावा देने में एयू बैंक की उल्लेखनीय उपलब्धियाँ दिखीं।

इस वर्ष का आयोजन उम्मीदों को कहीं बेहतर रहा क्योंकि इसमें बीस हज़ार से अधिक उत्साही युवाओं की भागीदारी हुई जोकि पिछले वर्ष की अठारह हज़ार प्रतिभागियों से एक बड़ी उछाल है।

'बनो चैम्पियन' पहल, अक्टूबर 2021 में राजस्थान के 30 स्थानों में शुरू हुई थी, अब बढ़कर अजमेर, जयपुर, शाहपुरा, जोधपुर, जालोर, अलवर, झुंझुनू, नागौर और टोंक के 60 से ज़्यादा ग्रामीण और अर्ध-शहरी स्थानों तक पहुंच गई है।

एकल और टीम में खेले जाने वाले खेलों, जैसे कि एथलेटिक्स, फुटबॉल, थ्रोबाल, कबड्डी, खो-खो, और वॉलीबॉल की एक श्रृंखला के साथ, यह आयोजन उभरते खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखने के लिये एक मंच प्रदान करता है।

संजयअग्रवाल एमडी व सीईओ एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक

इस अवसर पर बात करते हुए, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के एमडी और सीईओ संजय अग्रवाल ने कहा, ''बनो चैम्पियन' की हमारी यात्रा में इस महत्वपूर्ण मोड़ पर, मैं ग्राम-स्तरीय प्रतियोगिता के समापन से रोमांचित हूँ। हमारे युवाओं ने जो ऊर्जा, समर्पण और खिलाड़ी भाव दिखाया है, वह सचमुच प्रेरक रहा है। आगे जिला स्तर की ओर बढते हुए, इन विजेताओं के लिए नयी प्रतियोगितायें और प्रगति के नए रास्ते इंतज़ार कर रहे हैं। यह मंच न केवल खेल प्रतिभाओं की उन्नति करता है, बल्कि सर्वांगीण चरित्र के विकास को भी बढ़ावा देता है।

पंचवटी सर्कल की सरकारी ज़मीनों पर भूखा भेड़िया बनकर घूम रही भूमाफ़िया गैंग

ये भूमाफ़िया गैंग खाईवाल के धंधे की भी हैं मास्टरमाइंड

हुक्काबार, बियरबार, डिस्क, नाईट क्लब, फार्म हाउस, स्पा-मसाज सेंटर के भी हैं संचालक ये भूमाफ़िया!

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर हिलव्यू समाचार। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आदर्शनगर के पीछे की करोड़ों अरबों की शिक्षा विभाग की ज़मीन पर भूमाफियाओं की नज़र गड़ी हुई है। जहाँ 2-4 दिन से विवाद गरमाया हुआ है।

क्योंकि इसी तरह का मामला कुछ सालों पूर्व पंचवटी सर्कल पर घटित हुआ है।

जिसमें सरकार द्वारा अनुदानित बन्नूवाल कमेटी,राजकीय प्राथमिक विद्यालय व सहकारिता विभाग की अरबों की ज़मीन पर भूमाफ़िया गैंग ने कब्ज़ा कर लिया है। इनका मुख्य सरगना सरदार हरभजन सिंह उर्फ़ बबला है। हिलव्यू समाचार लगातार इन ज़मीनों की रक्षार्थ आवाज़ उठा रहा है और इसी प्रयास में सहकारिता विभाग, शिक्षा विभाग को लिखित व मौखिक रूप से आगाह कर चुका है। इसी के साथ-साथ इनकमटैक्स विभाग ईडी,एसीबी नगर निगम ग्रेटर,मालवीयनगर जोन, पुलिस कमिश्नर व डीजीपी को लिखित शिक़ायत मय दस्तावेज़ों के हिलव्यू समाचार पिछले दिनों कार्यवाही करने हेतु दे चुका है और न्यायालय के द्वार अभी शेष हैं।

इन भूमाफियाओं से प्रेरित होकर इनकी तरह कई भूमाफ़ियाओं की भूखी गिद्ध की निग़ाहें पंचवटी सर्कल की सरकारी ज़मीनों पर गढ़ गई हैं। ऐसा लगने लगा है कि राजापार्क ही नहीं आदर्शनगर और मालवीयनगर विधानसभा क्षेत्र भूमाफ़ियाओं व खाईवालों की शरणस्थली बन गया है क्योंकि-

- बन्नूवाल की करोड़ों की ज़मीन पर कब्ज़ा।
- राजकीय प्राथमिक विद्यालय की ज़मीन पर कब्ज़ा।
- पुराना डाकघर और सहकारिता विभाग की ज़मीन पर कब्ज़ा।
- सर्वानंदपार्क सिंधी कॉलोनी पर वार्ड 94 का पार्षद घनश्यामदास चंदलानी का स्थानीय विधायक रफ़ीक़ खान के सहयोग से कब्ज़ा।
- गुरु गोविंद सिंह पार्क गुरुनानकपुरा में वार्ड 149 पार्षद स्वाति परनामी व स्थानीय विधायक कालीचरण सर्राफ़ के सहयोग से कब्ज़ा।
- सार्वजनिक व सरकारी संपत्तियों पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश की धज्जियाँ उड़ाकर कब्ज़ा।
- लावारिस और बेनाम सम्पतियों पर कब्ज़ा।
- गुरु गोविंद सिंह पार्क में जहाँ पिछले दिनों वृक्षारोपण किया वहीं पिछले दिनों घना हरा भरा पेड़ अवैध निर्माण करते हुए काट दिया गया है।

अवैध निर्माणों का गढ़ बन चुकी ये दोनों विधानसभाएँ मलाईदार विधानसभाएँ हैं। इसी कारण आदर्शनगर और मालवीय नगर विधानसभा की सरकारी ज़मीनों पर भूमाफ़ियाओं और खाईवालों का ग्राफ़ तेज़ी से बढ़ रहा है और चुनावी सरगर्मी में यहाँ से दावेदार और उम्मीदवार भी बड़ी संख्या में सामने आते हैं और इस बार ज़्यादा आ रहे हैं।

यहां पर घनश्याम खाईवाल हो या तुलसी खाईवाल
राजा खाईवाल हो या बबला हरभजन सिंह खाईवाल सभी एक से बढ़कर एक हैं।

बन्नूवाल कमेटी की करोड़ों की ज़मीन कब्ज़े में। यहाँ संचालित हैं अवैध ढाबे जिनके पास नहीं है ढाबा फूड लाइसेंस व निगम की अनुमति का। निगम से प्राप्त दस्तावेज़ से हुआ ख़ुलासा!

अवैध ढाबा संचालन एवं अवैध दुकानें।

अवैध कब्ज़ा, अवैध मैरिज हॉल संचालन

अवैध दुकानें, अवैध कब्जा

अगले अंक में एक-एक कर सभी भूमाफियाओं व खाईवालों की सम्पतियों का नाम पते, फोटो सहित खुलासा किया जाएगा ताकि इनकमटैक्स, ईडी, सीबीआई, एसीबी को सुविधा होगी इनकी गुमनाम व बेनाम संपत्तियों पर छापा डालने में।

खाईवाल गैंग

1.हरभजन सिंह उर्फ़ बबला खाईवाल
2. तुलसी त्रिलोकानी खाईवाल
3. अमित भाटिया खाईवाल
4. पार्षद घनश्याम चंदलानी खाईवाल
5. दीपक भाटिया खाईवाल
6.हरीश बनकी खाईवाल
7.गोविंद सिंधी खाईवाल
8.राजा खाईवाल (पार्षद भाई)
9.हीरा खाईवाल
10.भोलू खाईवाल

अंगले अंकों में राजापार्क खाईवाल गैंग का होगा खुलासा।

कौन हैं ये लोग जिनकी अकूत काले धन की संपत्तियों व ठिकानों के होंगे खुलासे

भूमाफ़िया गैंग

1.हरभजन सिंह उर्फ़ बबला
2.देवेंद्र सिंह उर्फ़ शंटी (पूर्व पार्षद)
3.बलदेव सिंह (पूर्व पार्षद)
4.भूपेंद्र सिंह उर्फ़ पप्पी
5.सुभाष महला
6.नसीब पहलवान
7.रोबिन सिंह (पूर्व चैयरमैन नगर निगम)
8.तुलसी त्रिलोकानी
9.सुनील सूज़ी
10.बनवारीलाल शर्मा
11.जितेंद्र गुलाटी

बिना स्वीकृति सिंधी कॉलोनी प्लॉट 634 आवासीय में कमर्शियल अवैध निर्माण लगातार जारी

बनेगा पेंट हाउस और बेसमैंट भी और बनेगी 5 मंज़िला अवैध बिल्डिंग

प्लॉट न.634, सिंधी कॉलोनी, राजापार्क हिमांशु जीवनानी अवैध निर्माणकर्ता।

हिलव्यू समाचार

जयपुर। अपने आप को पार्षद पद का प्रत्याशी बताकर ठाकुर दास जीवनानी खुद की देखरेख में हिमांशु जीवनानी के प्लॉट न.634 का अवैध निर्माण करवा रहे हैं।

निगम से अनुमति की आवश्यकता नहीं समझते

बेख़ौफ़ होकर अवैध निर्माण करने वाले लोग अपने आप को सर्वेसर्वा समझते हैं और हर बात पर अधिकारियों से सेटिंग होने की बात कह के अपने आस पास रहने वाले लोगों को धमकाने का सिलसिला भी जारी रखते हैं। अवैध निर्माण कर आवासीय कॉलोनी की शांति और सुकून को ख़त्म करते हैं। सड़क अभी निर्माण सामग्री से सकड़ी हो गयी है और बाद में मल्टीस्टोरी में आकर बसने वाले लोगों की कारों से जाम हो जाएगी। लगातार जाम बना रहेगा।

बिना स्वीकृति के ज़ीरो सेटबैक पर,बिना नक़्शा लेआउट प्लान पास करवाये,बिना भू-रूपांतरण के हिमांशु जीवनानी लगातार अवैध निर्माण कर रहा है।

आदर्शनगर जोन क्यों मौन है इसका एक ही जवाब है सांठगांठ और मिलीभगत। विजेंद्र मीणा जेईएन इन सबका मसीहा है जो चंद रुपयों के लालच में निगम की प्रतिष्ठा को धूमिल कर रहा है। शासन-प्रशासन की गरिमा को ठेस पहुँचाते हैं ऐसे भ्रष्ट जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी।

सम्पादकीय

एससीओ के बाद ब्रिक्स में भारत के सधे कदम

भारत एक साथ दो ग्लोबल मंचों से भारतीय सोच और एजेंडे को आगे बढ़ा रहा है। भारत इस वर्ष जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है, दूसरी तरफ इसी वर्ष भारत ने पहले एससीओ और अब ब्रिक्स की बैठक में शिरकत की है। इन ग्लोबल मंचों से जहां भारत भू-राजनीतिक संतुलन स्थापित कर रहा है, वहीं अपने सह-अस्तित्व व शांतिपूर्ण विकास और आतंकवाद मुक्त विश्व के ग्लोबल एजेंडे को भी सधे अंदाज में आगे बढ़ा रहा है। भारत को जब भी मौका मिलता है, ग्लोबल मंचों से वसुधैव कुटुंबकम की सोच को आगे बढ़ाता है, सभी देशों के विकास की कामना करता है, वैश्विक शांति की अपील करता है और आतंकवाद के खिलाफ विश्व को एकजुट होकर लड़ने का आह्वान करता है। आगे सितंबर में जी-20 का शिखर सम्मेलन होगा, जिसमें भारतीय एजेंडे- पर्यावरण की रक्षा, वैश्विक शांति, ग्लोबल ट्रेड, सह-अस्तित्व पर आधारित वैश्विक विकास, क्लीन एंड ग्रीन एनर्जी, आतंकवाद के खिलाफ एकजुट लड़ाई आदि पर वैश्विक सहमति बनाने की कोशिश होगी। अभी ब्रिक्स बैठक में भारत ने इसके विस्तार का समर्थन किया है। इससे पहले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में भी इसके विस्तार का भारत ने समर्थन किया था। खास बात है कि ब्रिक्स और एससीओ में चीन का दबदबा है और वह एक रणनीति के तहत इन संगठनों का विस्तार कर रहा है। अभी ब्रिक्स के विस्तार में छह देशों-अर्जेंटीना, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब व संयुक्त अरब अमीरात को शामिल होने का अवसर मिला है। इनमें बेशक ईरान, सऊदी अरब, मिस्र आदि देश से भारत के अच्छे संबंध हैं, लेकिन इन छह देशों के हाल के वर्षों में चीन के साथ मजबूत बॉन्डिंग बनी है। ऐसे ही एससीओ में भी ईरान समेत कई देशों को अवसर मिला है। चीन की कोशिश अमेरिकी नीति के विरोधी या उससे दूरी रखने वालु मुल्कों को अपने ग्लोबल मंचों में शामिल करने की रही है। वह इसमें सफल भी होता दिख रहा है। दक्षिण अफ्रीका में सम्मेलन शुरू होने से पहले ब्रिक्स के विस्तार को लेकर भारत ऊहापोह की स्थिति में था, चीन सधे हुए कदमों से अपने एजेंडे को आगे बढ़ा रहा था। सम्मेलन के समापन तक भारत ऊहापोह से बाहर निकलते हुए ब्रिक्स के विस्तार को समर्थन दिया। भारत ब्रिक्स की शक्ति से वाकिफ है और वह ग्लोबल सिनारियो को भी समझ रहा है। चीन की कूटनीतिक सफलता है कि ब्रिक्स के विस्तार की घोषणा भारत ने की। भारत संतुलन के साथ अपनी वैश्विक कूटनीति को आगे बढ़ा रहा है। एक तरफ अमेरिका, फ्रांस व जर्मनी के साथ अपने रिश्तों को आगे बढ़ा रहा है, तो दूसरी तरफ रूस, चीन और चीनी प्रभुत्व वाले एससीओ, ब्रिक्स जैसे वैश्विक मंचों के साथ संबंधों को मजबूत कर रहा है, तीसरी तरफ भारत विश्व के अनेक देशों के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत कर रहा है और आसियान, बिम्सटेक, सार्क, पूर्वी एशिया सहयोग संगठन जैसे मंचों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था व द्विध्रुवीय जियो पॉलिटिकल सिस्टम में भारत विश्व में सबके साथ संतुलित, स्वतंत्र और निष्पक्ष कूटनीति के साथ आगे बढ़ रहा है और अपना वैश्विक लक्ष्य हासिल कर रहा है। यूएन की सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्यता के लिए चीन को साधना जरूरी है। चंद्रयान-3 की सफलता के बाद जियो राजनीति में भारत की साख मजबूत हुई है, अब भारत एक टॉप स्पेस पावर है। ग्लोबल मंचों पर हालांकि भारत को चीन से चौकन्ना भी रहना होगा और उससे सीमा विवाद सुलझाने के प्रति प्रयासरत भी रहना होगा।

सारा संसार

कांचीपुरम में स्थित चित्रगुप्त मंदिर हिंदू देवता चित्रगुप्त को समर्पित है। चित्रगुप्त को मृत्यु के देवता, यमराज के सहायक के रूप में भी जाना जाता है। मंदिर में आप पारंपरिक वास्तुकला का अद्भुत काम देख सकते हैं, जो दक्षिण भारत के अधिकांश मंदिरों में पाया जाता है।

कामयाबी
निरंकार सिंह

दुनिया में बजा भारत का डंका

> इसरो ने चांद के दक्षिणी ध्रुव के सबसे दुर्गम क्षेत्र में चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर को उतारकर नया इतिहास रच दिया है। अब भारत दुनिया का पहला देश बन गया है जिसने अपना अंतरिक्ष यान चांद की सतह के दक्षिणी ध्रुव के पास उतारा है। इससे पहले अमेरिका, रूस और चीन ने चांद की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग करवाई थी, लेकिन दक्षिणी ध्रुव पर नहीं। कुछ ही दिन पहले रूस ने लूना-25 को दक्षिणी ध्रुव पर उतरने की कोशिश की थी, लेकिन उसका अंतरिक्ष यान नष्ट हो गया। ऐसे में भारत की इस सफलता से दुनिया में उसका नाम और दबदबा दोनों बढ़े हैं। लैंडर विक्रम से निकला रोवर प्रज्ञान चांद की सतह की 14 दिन तक जांच-पड़ताल करेगा।

इसरो ने चांद के दक्षिणी ध्रुव के सबसे दुर्गम क्षेत्र में चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर को उतारकर नया इतिहास रच दिया है। अब भारत दुनिया का पहला देश बन गया है जिसने अपना अंतरिक्ष यान चांद की सतह के दक्षिणी ध्रुव के पास उतारा है। इससे पहले अमेरिका, रूस और चीन ने चांद की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग करवाई थी, लेकिन दक्षिणी ध्रुव पर नहीं। कुछ ही दिन पहले रूस ने लूना-25 को दक्षिणी ध्रुव पर उतरने की कोशिश की थी, लेकिन उसका अंतरिक्ष यान नष्ट हो गया। ऐसे में भारत की इस सफलता से दुनिया में उसका नाम और दबदबा दोनों बढ़े हैं। लैंडर विक्रम से निकला रोवर प्रज्ञान चांद की सतह की 14 दिन तक जांच-पड़ताल और प्रयोग करेगा। उसके आंकड़े ऑर्बिटल के माध्यम से इसरो को भेजेगा। चन्द्रयान-3 की सफलता तकनीकी क्षमता की दृष्टि से तो भारत की एक बड़ी सफलता है ही, लेकिन इसके और कई फायदे हैं। इसका रोवर प्रज्ञान चांद की चट्टानों को देखकर उनमें मैग्नीशियम, कैल्शियम और लोहे के अलावा कई दुर्लभ खनिजों को खोजने का प्रयास करेगा। चांद की सतह पर पानी, नमी और मिट्टी की रासायनिक जांच भी करेगा। पानी की मौजूदगी चांद पर इंसान को बसाने का द्वार भी खोलेगी। चांद पर हीलियम गैस की संभावनाएं भी तलाशी जाएंगी। इससे ऐसे बड़े खजाने की खोज हो सकती हैं, जिससे अगले 500 सालों तक ऊर्जा की जरूरतों को पूरा किया जा सकता है, बल्कि खरबों डॉलर की कमाई भी हो सकती है। इसके एक टन की कीमत 5 अरब डालर बताई जाती है। चन्द्रमा पर द्रव रूप में हीलियम के विशाल भंडार होने की संभावना है। चन्द्रमा से हीलियम धरती पर लाई जा सकती है। 14 जुलाई 2023 को श्रीहरिकोटा से रवाना होने के बाद चंद्रयान-3 ने तीन हफ्तों में कई चरणों को पार किया। पांच अगस्त को पहली बार चांद की कक्षा में दाखिल हुआ था। भारत के चंद्रयान-3 मिशन के लिए पिछले दिनों एक बड़ी खुशखबरी आई। चंद्रयान-3 के लैंडर और प्रॉपल्शन मॉड्यूल योजना के मुताबिक, दो टुकड़ों में टूटकर अलग-अलग चांद की यात्रा कर रहे हैं। इसी के साथ चंद्रयान-3 का लैंडर अब चांद के और करीब पहुंच गया है। इसरो ने चंद्रयान-3 मिशन के बारे ट्वीट कर बताया कि इस बीच, प्रॉपल्शन मॉड्यूल वर्तमान कक्षा में महीनों या वर्षों तक अपनी यात्रा जारी रख सकता है। प्रॉपल्शन मॉड्यूल में पृथ्वी के वायुमंडल का स्पेक्ट्रोस्कोपिक अध्ययन करने और पृथ्वी पर बादलों से ध्रुवीकरण में भिन्नता को मापने के लिए स्पेक्ट्रो-पोलरिमेट्री ऑफ हेबिटेवल प्लानेट अर्थ पेलोड लगा हुआ है। यह हमें इस बारे में जानकारी देगा कि चंद्रमा पर रहने योग्य क्षमता है या नहीं। इस पेलोड को यूआर राव सैटेलाइट सेंटर और इसरो, बेंगलुरु द्वारा आकार दिया गया है। मिशन के अगले पड़ाव में लैंडर मॉड्यूल को चांद की निचली कक्षा में पहुंचाया गया। इसरो ने लैंडर मॉड्यूल की तरफ से एक्स पर एक पोस्ट में चंद्रयान-3 की यात्रा को लेकर ट्वीट भी किया। इसमें लैंडर की तरफ से प्रॉपल्शन के लिए कहा गया- 'साथ में यात्रा के लिए शुक्रिया मित्र।' इसरो ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर चंद्रयान-3 के सफर

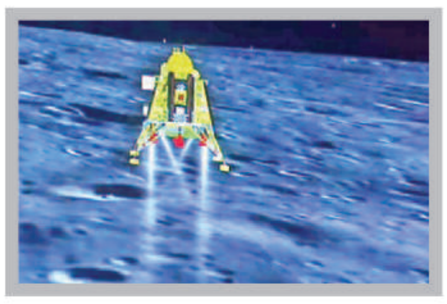

को लेकर यह जानकारी दी। इसरो ने बताया कि चंद्रयान-3 के चंद्रमा तक पहुंचने की सभी प्रक्रिया पूरी कर ली गई हैं। हमारी आशा के मुताबिक चंद्रमा की 153 किलोमीटर गुणा 163 किलोमीटर की कक्षा में चंद्रयान-3 स्थापित हो गया। चंद्रमा की सीमा में प्रवेश की प्रक्रिया पूरी होगई। 17 अगस्त को प्रोपल्शन मॉड्यूल और लैंडर अलग हो गए हैं। मालूम हो, इसरो ने 14 जुलाई को प्रक्षेपण के बाद से तीन सप्ताह में चंद्रयान-3 को चंद्रमा की पांच से अधिक कक्षाओं में चरणबद्ध तरीके से स्थापित करने में सफलता हासिल की। एक अगस्त को यान को पृथ्वी की कक्षा से चंद्रमा की ओर सफलतापूर्वक भेजा गया था। उल्लेखनीय है कि चंद्रयान-3 तीन लाख किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय करते हुए चांद के करीब पहुंचा है और 23 अगस्त को उसका लैंडर विक्रम रोवर प्रज्ञान सहित चांद पर उतर गया। इस तरह से इसरो ने अंतरिक्ष में एक और इतिहास रचकर दुनिया में भारत का नाम रोशन किया। भारत के इस महत्वाकांक्षी मिशन में केवल 615 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं, जो देश के अंदर एक छोटा सा फ्लाईओवर निर्माण के खर्च के बराबर है। इतनी कम राशि में हमारा मिशन चांद के उस हिस्से पर पहुंचा, जहां दुनिया का कोई देश आज तक नहीं पहुंचा है। वैज्ञानिकों का दावा है कि वहां बर्फ जमी है और चंद्रयान-3 का मकसद वहां ऑक्सीजन और पानी की खोज है। यही मकसद रूस के लूना-25 का भी था, लेकिन वह चांद पर साफ्ट लैंडिग नहीं कर सका। 21 नवम्बर 1963 को केरल में तिरुअनंतपुरम के करीब थुंबा से पहले रॉकेट के लॉन्च के साथ भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम शुरू हुआ। यह रोचक बात है कि उस रॉकेट को लान्च पैड तक एक साइकिल से ले जाया गया था और उसे एक चर्च से लॉन्च किया गया। पूरी कहानी कुछ इस तरह है। नारियल के पेड़ों के बीच स्टेशन का पहला लॉन्च पैड था। एक स्थानीय कैथोलिक चर्च को वैज्ञानिकों के लिए मुख्य दफ्तर में बदला गया। बिशप हाउस को वर्कशॉप बना दिया गया। मवेशियों के रहने की जगह को प्रयोगशाला बनाया गया जहां अब्दुल कलाम आजाद जैसे युवा वैज्ञानिकों ने काम किया। इसके बाद रॉकेट को लॉन्च पैड तक साइकिल पर ले जाया गया। थोड़े समय बाद दूसरा रॉकेट लॉन्च किया गया। वह पहले वाले से थोड़ा भारी था। उसे बैलगाड़ी पर ले जाया गया था। 15 अगस्त 1969 को डॉ. विक्रम साराभाई ने इसरो की स्थापना की थी। इसका मकसद अंतरिक्ष शोध के क्षेत्र में काम करना था। एसएलवी-3 भारत का पहला स्वदेशी सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल था। डॉ. अब्दुल कलाम इस परियोजना के निदेशक थे। 40 सालों में इसरो का खर्च नासा के एक साल के बजट के आधे से भी कम रहा। चन्द्रमा पर इसरो के पहले मिशन चन्द्रयान-प्रथम पर करीब 390 करोड़ रुपये खर्च हुए जो नासा द्वारा इसी तरह के मिशन पर होने वाले खर्च के मुकाबले 8-9 गुना कम है।

अंतरिक्ष अनुसंधान तथा उपग्रह तकनीक के क्षेत्र में भारत का प्रवेश 19 अप्रैल 1975 को आर्यभट्ट नामक उपग्रह के सफल प्रक्षेपण के साथ हुआ। यद्यपि इस दिशा में पहला कदम 1962 में ही उठाया गया था और अब भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग में 'भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति' बनाई गई। 1963 में त्रिवेन्द्रम (केरल) के निकट थुम्बा में 'साउंडिंग' राकेट प्रेक्षण सुविधा केन्द्र की स्थापना की गई। सन 1969 में बंगलौर में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के गठन के बाद इस दिशा में क्रान्ति आ गई। हमारा सफर आर्यभट्ट से प्रारंभ हुआ था और चन्द्रयान-3 तक पहुंच गए हैं। भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक डा. विक्रम साराभाई ने एक ऐसी टीम तैयार की कि एक के बाद एक अनेक प्रतिभाशाली वैज्ञानिक भारतीय इसरो को दूरदर्शी नेतृत्व प्रदान करते आ रहे हैं। प्रो. सतीश धवन, प्रो. यूआर राव, प्रो. कस्तूरीरंगन और श्रीजी. माधवन नैयर से लेकर एस सोमनाथ तक इसरो का लम्बा इतिहास है।

(लेखक हिन्दी विश्वकोश के पूर्व सहायक संपादक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

संघर्ष से आती है जीवंतता

संकलित
दर्शन

ओशो : साधना संसार में है, जंगल में तो साधना का सवाल ही नहीं है। साधना यहां है, जहां प्रतिपल कांटे हैं। कांटों के बीच जिस दिन तुम चलना सीख लो और कांटों के बीच तो चलो और कांटे चुभें न, बस उसी दिन समझ लेना कि अब तुम योग्य हो गए। जंगल जाने की जरूरत भी क्या है। यहीं भीड़ में जंगल हो गया है, अगर तुम्हारे भीतर प्रौढ़ता आ जाए, तो प्रज्ञा का जन्म हो। प्रज्ञा का जन्म संघर्षण से होता है। प्रतिपल जीवन की चुनौतियों को स्वीकार करने से होता है। हारने, गिरने, उठने से होता है। हजार बार गाली दी जाएगी, तुम क्रोधित हो जाओगे। हजार बार के अनुभव से तुम्हें समझ में आ जाएगा कि अपने को जलाना व्यर्थ है। गाली कोई दूसरा दे रहा है, दंड अपने को देना व्यर्थ है। एक दिन तो ऐसा आएगा कि कोई दूसरा गाली देगा और तुम्हारे भीतर क्रोध न आएगा। उसी दिन तुम्हारे भीतर एक कांटा फूल बन गया। उस दिन तुम्हें जो शांति मिलेगी, कोई जंगल नहीं दे सकता। जंगल की शांति मुर्दा है। अगर यहां गालियों के बीच तुम शांत हो गए, तो तुम्हारी शांति में एक जीवंतता होगी। जंगल की शांति में सन्नाटा है, क्योंकि वहां कोई है ही नहीं। वह नकारात्मक है। संसार में अगर तुम शांत हो जाओ तो सकारात्मक है। जंगल की शांति मरने जैसी है, संसार की शांति बड़ी जीवंत है। परमात्मा को पाना है, तो भागना मत। भगोड़ों से परमात्मा का कभी कोई संबंध नहीं जुड़ता। कायरों से संबंध जुड़ भी कैसे सकता है? चुनौती स्वीकार करने वाला साहस चाहिए।

एकाग्रता के बिना मंत्र जप नहीं हो सकता

संकलित
प्रेरणा

एक दिन सरयू नदी के किनारे पर गोस्वामी तुलसीदास प्रवचन दे रहे थे। वे अक्सर यहां प्रवचन देते थे। इस दौरान तुलसीदास जी लोगों की समस्याओं का समाधान भी करते थे। एक दिन तुलसीदास जी आंखें बंद करके जप कर रहे थे। एक व्यक्ति ने पूछा कि आप आंखें बंद कर किसे याद कर रहे हैं? तुलसीदास जी बोले कि मेरे राम को। उस व्यक्ति ने फिर पूछा कि तो क्या ये जरूरी है कि भगवान के नाम का जप किया जाए? तुलसीदास जी ने कहा कि हां, ये तो बहुत जरूरी है। नाम जप करने से मन काबू में रहता है। जिन लोगों का मन काबू रहता है, वे शांत रहते हैं। उस व्यक्ति ने फिर पूछा कि जब मैं नाम जप करने बैठता हूं तो मन नहीं लगता है, मुझे क्या करना चाहिए? तुलसीदास जी बोले कि कई लोगों की ये समस्या है, जप में मन नहीं लगता। इस कारण लोग भक्ति करना ही छोड़ देते हैं। एक बात हमेशा ध्यान रखें, मन लगे या न लगे, हमें जप करते रहना चाहिए। हमारा मन एक भूमि की तरह है। भूमि में बीज बोने पर उससे पौधा जरूर उगता है, बीज उल्टा गिरे या सीधा, पौधा तो उगता ही है। ठीक इसी तरह हमें भी मन में भक्ति का बीज बोते रहना चाहिए। जप के लिए सबसे जरूरी है एकाग्रता। सभी को एकाग्रता की जरूरत है। अशांत मन एकाग्र नहीं हो सकता है। जप करते रहेंगे तो मन शांत रहेगा, एकाग्रता बनी रहेगी। जप करने से देर से ही सही, लेकिन इसका सकारात्मक फल जरूर मिलता है।

ऐतिहासिक
योगेश कुमार गोयल

चंद्रमा पर भारत का सूर्योदय

चंद्रयान-3 मिशन के जरिये इसरो ने अंतरिक्ष में इतिहास रच दिया है। इस ऐतिहासिक सफलता के बाद चांद पर भारतीय तिरंगा देख पूरी दुनिया भारतीय वैज्ञानिकों की प्रतिभा की कायल हो गई है। अब तक भारत के अलावा कोई भी देश चांद के दक्षिणी ध्रुव को नहीं छू सका है। भारत ने 14 जुलाई 2023 को दोपहर 2.30 बजे सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लांच व्हीकल मार्क-3 (जीएसएलवी-एमके-3) हैवी-लिफ्ट रॉकेट के जरिये चंद्रयान-3 मिशन लांच किया था और 41वें दिन यानी 23 अगस्त को शाम 5.47 बजे चांद के साउथ पोल पर सॉफ्ट लैंडिंग की योजना बनाई गई थी। जैसे ही चांद की सतह पर शाम 6.04 बजे कदम रखने के बाद चंद्रयान-3 ने संदेश भेजा 'मैं अपनी मंजिल पर पहुंच गया हूं', हर देशवासी का सीना गर्व से चौड़ा हो गया। चंद्रयान-3 के लैंडर और रोवर की मिशन लाइफ एक चंद्र दिवस की है, जो पृथ्वी के 14 दिनों के बराबर की अवधि है, इसीलिए इसरो के डायरेक्टर एस. सोमनाथ के मुताबिक ये 14 दिन इसरो के बेहद महत्वपूर्ण हैं। सॉफ्ट-लैंडिंग कराने के लिए इसरो ने लैंडर में बड़े सुधार किए थे, जिनमें लैंडर के लिए मजबूत पैर, उच्च अवरोही वेग झेलने की क्षमता और इंजनों की संख्या को पांच से घटाकर चार करना शामिल थे। इसमें नए सेंसर भी जोड़े गए थे और प्रणोदक की मात्रा भी बढ़ाई गई थी। इसके सौर पैनल एक बड़े क्षेत्र को कवर करते हैं। यह जानना जरूरी है कि चंद्रयान-3 के लैंडर का नाम 'विक्रम' और रोवर का नाम 'प्रज्ञान' ही क्यों रखा गया? चंद्रयान-3 के लैंडर का नाम भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक डा. विक्रम साराभाई के नाम पर रखा गया है। 'विक्रम' शब्द का अर्थ साहस और वीरता से भी जुड़ा है। प्रज्ञान का अर्थ है 'बुद्धिमता' और रोवर को इसीलिए यह नाम दिया गया। वैज्ञानिकों का मानना है कि अपनी बुद्धि का प्रयोग करके रोवर ही चांद की सतह पर कई चीजों की जानकारी एकत्रित करेगा। विक्रम लैंडर पर चार पेलोड्स हैं रंभा, चास्टे, इल्सा, लेजर रेट्रोरिफ्लेक्टर एरे। रंभा चांद की सतह पर सूरज से आने वाले प्लाज्मा कणों के घनत्व, मात्रा और बदलाव की जांच करेगा। चास्टे चांद की सतह के तापमान की और इल्सा लैंडिंग साइट के आसपास भूकम्पीय गतिविधियों की जांच करेगा जबकि लेजर रेट्रोरिफ्लेक्टर एरे चांद के डायनेमिक्स को समझने का प्रयास करेगा। प्रज्ञान रोवर पर दो पेलोड्स हैं लेजर इंड्यूस्ड ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोप तथा अल्फा पार्टिकल एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर। लेजर इंड्यूस्ड ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोप चांद की सतह पर मौजूद रसायनों की मात्रा और गुणवत्ता का अध्ययन तथा खनिजों की खोज करेगा जबकि अल्फा पार्टिकल एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर एलिमेंट कंपोजिशन का अध्ययन करेगा। अब चंद्रयान-3 मिशन के जरिये तापीय चालकता तथा रेजोलिथ गुणों जैसे कारकों सहित दक्षिणी ध्रुव के पर्यावरण का विश्लेषण करके लैंडिंग साइट का पता लगाने का प्रयास किया जाएगा। ये जानकारियां भविष्य के चंद्र मिशनों तथा संभावित मानव अन्वेषण के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगी। चंद्रयान-3 द्वारा चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव की खोज से प्राप्त किया गया डेटा एवं निष्कर्ष वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय के लिए प्रासंगिक साबित होंगे, जिसके जरिये दुनियाभर के वैज्ञानिक चंद्रमा की भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं तथा उसके इतिहास की गहन समझ हासिल करने के लिए इन परिणामों का विश्लेषण और अध्ययन करेंगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं ये उनके अपने विचार हैं।)

अंतर्मन

आज की पाती

दहेज विरोधी कानून का हो उचित प्रयोग

हाल ही में कलकत्ता हाई कोर्ट ने कहा है कि भारतीय दंड संहिता की धारा 498 का कुछ महिलाओं ने दुरुपयोग करके कानूनी आतंकवाद फैलाया है। यह धारा हमारे देश की सबसे बड़ी सामाजिक बुराई दहेज प्रथा को खत्म करने के लिए कानून के जरिए प्रावधान है। दहेज विरोधी कानून का भी दुरुपयोग किया है, इस बात को तो सुप्रीम कोर्ट भी मान चुका है। दहेज का मतलब होता है बेटी को शादी के समय अपनी खुशी से कोई उपहार देना, भारत में यह प्रथा प्राचीन काल से चली आ रही है, लेकिन आधुनिक और भौतिकवाद के समय में आज कुछ लालची, नाकाम लोगों ने इसे कुप्रथा बना दिया है। दहेज के बहुत से रूप हैं- सोना, चांदी, गाड़ी, इलेक्ट्रॉनिक सामान, और भी न जाने क्या कुछ।

- मनोज चंद्रवंशी, रायगढ़

ट्रेंड

ब्रिक्स के विस्तार का समर्थन

ब्रिक्स की 15वीं वर्षगांठ के अवसर पर हमने इस मंच का विस्तार करने का निर्णय लिया है। भारत ने हमेशा इस विस्तार का पूरा समर्थन किया है। इस तरह का विस्तार ब्रिक्स को मजबूत और अधिक प्रभावी बनाएगा।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

गर्व महसूस कर रहा देश

1962 में शुरू हुए भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम ने चंद्रयान 3 के रूप में एक नई ऊंचाई तय की। पूरा देश इस गौरवशाली यात्रा पर गर्व महसूस कर रहा है। सभी देशवासियों के लिए खुशी का क्षण है। सभी वैज्ञानिकों व देशवासियों को बधाई व शुभकामनाएं।

-प्रियंका गांधी, कांग्रेस महासचिव

कैग कह रहे

क्या आपको पता है प्रधानमंत्री मोदी की लोधी वाली समिति सीसीईए ने 75 हजार किलोमीटर सड़क निर्माण परियोजना में 15 करोड़ प्रति किलोमीटर की लागत लगभग 11 लाख करोड़ रुपये की योजना तैयार की है? ये उम्मीदवार नहीं कैग कह रहे हैं।

-संजय सिंह, आप सांसद

वैज्ञानिकों को सलाम

हमारे वैज्ञानिकों और इसरो टीम के प्रतिभाशाली दिमाग को सलाम जिन्होंने चंद्रयान-3 को बड़ी सफलता दिलाई। यह सोचकर आपका दिल गर्व और खुशी से भर जाता है कि हमारा लैंडर चंद्रमा की परिक्रमा कर रहा है और अपना काम कर रहा है।

-संजय खान, अभिनेता

करंट अफेयर

उत्तर कोरिया का दूसरा प्रयास भी रहा विफल

उत्तर कोरिया ने गुरुवार को कहा कि जासूसी उपग्रह प्रक्षेपण का उसका दूसरा प्रयास भी विफल रहा है, लेकिन उसने संकल्प व्यक्त करते हुए कहा कि वह अक्टूबर में फिर से कोशिश करेगा। उत्तर कोरिया का प्रक्षेपण विफल होने के तत्काल बाद पड़ोसी देश जापान ने 'जे-अलर्ट' जारी किया और अपने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा क्योंकि उत्तर कोरिया का रॉकेट उसके दक्षिणी द्वीप ओकिनावा के ऊपर से प्रशांत महासागर की ओर उड़ा। सरकारी समाचार समिति ने अपनी खबर में कहा कि उत्तर कोरिया की अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार उसने उपग्रह 'मालिगयोंग-1' को कक्षा में स्थापित कराने के लिए नए तरीके के करियर रॉकेट 'चोलिमा-1' का इस्तेमाल किया था। एजेंसी ने कहा कि रॉकेट की पहले और दूसरे चरण की उड़ानें सामान्य थीं लेकिन तीसरे चरण की उड़ान के दौरान आपात विस्फोट प्रणाली में खराबी आने के कारण प्रक्षेपण विफल रहा। राष्ट्रीय एयरो स्पेस विकास प्रशासन ने कहा कि बृहस्पतिवार के प्रक्षेपण में क्या कमियां रह गईं, इसका अध्ययन किया जाएगा और अक्टूबर में फिर से प्रक्षेपण का प्रयास किया जाएगा।

ऑफ बीट

अच्छा श्रोता होने का अर्थ है समानुभूति होना

समानुभूति का तात्पर्य यह है कि जब हम किसी अन्य व्यक्ति के दृष्टिकोण से दुनिया को समझने की कोशिश करते हैं तो उस वक्त हम क्या महसूस करते हैं। समानुभूति के बारे में आम गलतफहमियों में से एक यह है कि दूसरे व्यक्ति ने जो अनुभव किया है उसे समझने के लिए आपको उससे गुजरना होगा। दो लोग समान चुनौतियों और मुश्किलों से गुजर सकते हैं लेकिन हो सकता है कि उनका रवैया एकदम भिन्न हो। आपके अनुभव आपके लिए खास हो सकते हैं और कोई अन्य यह नहीं जान सकता कि आप क्या महसूस कर रहे हैं। कोई कैसा महसूस कर रहा है यह जानने का एकमात्र तरीका यही है कि उसे सुना जाए। तो आइए समानुभूति को अलग तरीके से समझते हैं। दुनिया को लेकर आपका खास नजरिया कल्पना कीजिए कि प्रत्येक शिशु एक लकड़ी का फ्रेम पकड़े पैदा हुआ है, जिसमें एक शीशा लगा है। जब वे दुनिया में किसी भी चीज को देखते हैं तो उसी शीशे के जरिए देखते हैं। ये शीशा पूरी तरह से साफ नहीं है। इसका रंग उड़ा हुआ है, इसपर कुछ चिपका हुआ है और ये उनके अनुवांशिकी तथा जीव विज्ञान के निशान हैं।

एक नज़र

कांग्रेस में टिकटों पर मंथन

गोगोई के साथ प्रदेश प्रभारी रंधावा और डोटासरा ने की चर्चा

हिलव्यू समाचार
जयपुर। कांग्रेस में टिकट वितरण की कवायद तेज हो गई है। स्क्रीनिंग कमेटी के चेयरमैन गौरव गोगोई ने शुक्रवार को प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के साथ नई दिल्ली में लंबी चर्चा की। यह बैठक कांग्रेस मुख्यालय की बजाय किसी निजी स्थान पर की गई। जाहिर है, इससे मीडिया को दूर रखा गया। मिली जानकारी के अनुसार गोगोई को राजस्थान में दावेदारों के चयन के लिए अब तक की गई कवायद को लेकर जानकारी दी गई। गोगोई 28 से 31 अगस्त को जयपुर दौरे पर रहेंगे। उसके बाद उनका उदयपुर जाने का कार्यक्रम रहेगा। जयपुर में दो दिन राजस्थान के टिकटों के लिए बनाई गई स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक होगी। स्क्रीनिंग कमेटी प्रदेश कांग्रेस की तरफ से मिले दावेदारों के नामों पर विचार कर तीन-तीन नामों का अंतिम पैनल तैयार करेगी।

सभी 200 सीटें जीतने का अच्छा मौका

इससे पहले गोगोई ने राजस्थान को लेकर मीडिया से कहा कि राजस्थान की सभी 200 सीटें जीतने का काफी अच्छा मौका है। पार्टी शुरुआती लाभ के लिए सितंबर में उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर देगी। कांग्रेस नेता गोगोई ने कहा कि पार्टी के अंदर इस बारे में चर्चा की जा रही है। मैं यह नहीं कहूंगा कि हमने कोई लक्ष्य निर्धारित किया है, लेकिन हम जल्द तैयारी शुरू करना चाहते हैं। गोगोई ने कहा कि राजस्थान में संभावित उम्मीदवारों के चयन के लिए जीतने की क्षमता ही हमारा एकमात्र मानदंड होगा। मैं सभी सीटों की ताकत और कमजोरी को देखूंगा, क्योंकि प्रत्येक सीट महत्वपूर्ण है। कांग्रेस नेता गोगोई ने कहा कि पार्टी राजस्थान में आश्वस्त है, लेकिन सावधानी के साथ आगे बढ़ रही है।

आउटकम डॉक्यूमेंट स्वीकृत, MSME को समर्थन पर दिया जोर

हिलव्यू समाचार
जयपुर। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि जी-20 व्यापार और निवेश मंत्रियों की बैठक में एक आउटकम डॉक्यूमेंट को स्वीकृत किया गया है। उन्होंने कहा कि साथ ही अध्यक्ष के सारांश को भी अपनाया गया, जिसमें वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देने और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) को समर्थन देने की बात कही गई है।

मंत्री ने यहां शुक्रवार को दो दिवसीय बैठक के समापन के बाद कहा कि दस्तावेज में कई नई बातें हैं। परिणामी दस्तावेज में डब्ल्यूटीओ सुधारों, भविष्य के लिए तैयार वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं और डिजिटलीकरण के बारे में सुझाव दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि 17 पेज के बयान में केवल एक पैरा ऐसा है, जहां स्पष्ट कारणों से आम सहमति नहीं बन सकी। गौरतलब है कि जी-20 व्यापार और निवेश मंत्रियों की बैठक जयपुर में शुक्रवार को संपन्न हुई।

जी-20 के लिए दिए संबोधन में पीएम मोदी ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश में विश्वास की बहाली पर जोर दिया।

पांच मुद्दों पर बनी सहमति

भारत की अध्यक्षता में जी-20 देशों के व्यापार और निवेश मंत्रियों में पांच ठोस और कार्रवाई-उन्मुख डिलिवरेबल्स पर सहमति बनी। इन्हें जयपुर में आयोजित व्यापार मंत्रिस्तरीय बैठक के आउटकम डॉक्यूमेंट में अपनाया गया है। इनमें पहला है व्यापार दस्तावेजों के डिजिटलीकरण पर उच्च-स्तरीय सिद्धांतों को अपनाना, जिसमें जी-20 देशों के मंत्रियों ने 10 व्यापक सिद्धांत प्रतिपादित किए हैं। ये सिद्धांत इलेक्ट्रॉनिक व्यापार से संबंधित डेटा और दस्तावेजों के सीमा पार आदान-प्रदान से संबंधित उपायों को लागू करने में देशों को मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। साथ ही एक सुरक्षित अंतर-संचालित और पारदर्शी पेपरलैस सीमा पार व्यापार का वातावरण बनाने की आवश्यकता पर जोर देंगे। इसके अलावा, समावेशिता को एक सिद्धांत के रूप में प्राथमिकता दी गई है, ताकि इस बदलाव में हर प्रकार के व्यापार समायोजित हो जाएंगे।

जी-20 जेनेरिक मैपिंग फ्रेमवर्क का समर्थन

मंत्रियों ने जीवीसी के लिए जी-20 जेनेरिक मैपिंग फ्रेमवर्क का भी समर्थन किया। जिसमें डेटा, विश्लेषण और जीवीसी डेटा के प्रतिनिधित्व के प्रमुख बिल्डिंग ब्लॉक शामिल हैं। इस फ्रेमवर्क में सेक्टर और उत्पाद दोनों स्तरों पर जीवीसी के लचीलेपन का मूल्यांकन करने में मदद के लिए प्रमुख आयामों की पहचान करने पर जोर दिया गया है। इसके अलावा फ्रेमवर्क में महत्वपूर्ण जीवीसी को लचीला और मजबूत बनाए रखने की आवश्यकता में सहयोग के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत भी प्रतिपादित किए गए हैं।

टीबी मुक्त अभियान के दूसरे चरण का शुभारंभ

2030 तक राज्य को हेल्थ सहित सभी क्षेत्रों में बनाएंगे नंबर वनः मुख्यमंत्री अशोक गहलोत

हिलव्यू समाचार
जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि निरोगी राजस्थान की परिकल्पना को साकार करने एवं 2030 तक प्रदेश को स्वास्थ्य सहित सभी क्षेत्रों में नंबर वन बनाने के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। प्रत्येक गांव में चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाकर अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान 29 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित करने वाला पहला राज्य है। टीबी उन्मूलन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 4-4 जिलों को राष्ट्रीय स्तर पर रजत एवं कांस्य पदक प्रदान किए गए हैं। यह क्षय रोग के उन्मूलन की दिशा में हमारे गंभीर प्रयासों को इंगित करता है। गहलोत गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर टीबी मुक्त राजस्थान सम्मेलन, टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के द्वितीय चरण, चिकित्सा संस्थानों के शिलान्यास व लोकार्पण तथा 104-108 एंबुलेंस सेवाओं के शुभारंभ समारोह में बोल रहे थे।

अंगदान महाभियान में बना विश्व रिकॉर्ड

कार्यक्रम में अंगदान महाभियान के तहत प्रदेश में 1.43 करोड़ से अधिक लोगों द्वारा अंगदान की शपथ लेने पर वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन एवं ओएमजी बुक ऑफ रिकॉर्ड द्वारा सर्टिफिकेट दिया गया। इस दौरान गहलोत ने अंगदान महाभियान के दौरान सर्वाधिक अंगदान की शपथ लेने वाले जिलों के सीएमएचओ को सम्मानित किया। इस अवसर पर अंगदान महाभियान से संबंधित वीडियो फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया।

स्वास्थ्य एवं शिक्षा में मॉडल स्टेटः मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य एवं शिक्षा राज्य सरकार की मुख्य प्राथमिकताओं में है। कानून बनाकर सबको स्वास्थ्य का अधिकार देने वाला राजस्थान देश का पहला राज्य है। राजस्थान में आईआईटी, आईआईएम, निफ्ट जैसे विश्व स्तरीय संस्थान खुले हैं। साथ ही, राज्य में गत चार साल में 303 नए कॉलेज खोले गए हैं।

442 करोड़ के 224 कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यासः सीएम ने 442 करोड़ की लागत के 224 चिकित्सा संस्थानों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। जिलों में पीएचसी, सीएचसी, उप जिला अस्पतालों सहित कुल 122 करोड़ की लागत से बने 109 चिकित्सा संस्थानों का लोकार्पण किया। 320 करोड़ की लागत के 115 चिकित्सा संस्थानों का शिलान्यास भी किया।

टीबी रोगी का जीवन होता है कष्टमय

मुख्यमंत्री ने कहा कि टीबी एक घातक रोग है। क्षय रोगी का जीवन काफी कष्टमय होता है। विश्व के 26 प्रतिशत टीबी के मरीज भारत में हैं तथा इनमें से 6 प्रतिशत राजस्थान में हैं। उन्होंने कहा कि 2025 तक राजस्थान को क्षयमुक्त बनाना हमारा ध्येय है।

ईआरसीपी पर रारः शेखावत के बयान पर गहलोत का पलटवार

सरकार बदली तो पहली बैठक में योजना को स्वीकृतिः शेखावत

CM गहलोत ने कहा... भाजपा कर रही है जनता के साथ धोखा

हिलव्यू समाचार
जयपुर। ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट (ईआरसीपी) को लेकर एक बार सियासत फिर से गरमाती नजर आ रही है। इस मामले में शुक्रवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के बीच तीखी बयानबाजी हुई।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत कहा कि गहलोत इस परियोजना को लेकर केवल भ्रम फैला रहे हैं, लेकिन जनता के सामने अब वे बेनकाब हो चुके हैं। वर्तमान में ये सरकार जिसे ईआरसीपी का नाम दे रही है, उससे केवल तीन जिलों को पीने का पानी मिलेगा। शेखावत ने कहा कि राजस्थान की जनता ने गहलोत सरकार को विदा करने का मन बना लिया है। अगली सरकार भाजपा की बनेगी और कैबिनेट की पहली बैठक में ईआरसीपी को स्वीकृति देकर पूर्वी राजस्थान के पूरे 13 जिलों में पीने और सिंचाई का पानी उपलब्ध कराया जाएगा।

मेरी जिद है कि ईआरसीपी को पूरा करके ही रहूंगाः सीएम गहलोत

इस मामले में पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि भाजपा ने राजस्थान राज्य के साथ धोखा किया है। जयपुर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बोलने के बाद क्या कारण है कि आप इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित नहीं कर रहे। उनकी जिद है इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित नहीं करने की, मेरी जिद है कि इस योजना को पूरी करके रहूंगा। गहलोत ने कहा कि राजस्थान का माहौल देखकर लगता है कि इस बार कांग्रेस दोबारा विजय हासिल करेगी, हमारी सरकार बरकरार रहेगी।

जिस योजना की बात कर रहे, उससे तीन जिलों को ही लाभ

टोंक में पत्रकारों से बातचीत में केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि ईआरसीपी को लेकर गहलोत सरकार राजनीति कर रही है। इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने के लिए जो तकनीकी स्वीकृतियां देनी चाहिए थीं, वो राज्य सरकार ने केन्द्र को आज तक नहीं दी हैं। अब इस मुद्दे पर गहलोत सरकार बेनकाब हो रही है और जनता का भ्रम दूर हो रहा है। गहलोत जिस ईआरसीपी को खुद पूरा करने की बात कह रहे हैं, उससे मात्र तीन जिलों जयपुर, टोंक और अजमेर की प्यास बुझेगी। भरतपुर, अलवर सहित पूर्वी राजस्थान के शेष जिलों के कंठ प्यासे ही रहेंगे।

राजनीति के चलते अटकी योजना

शेखावत ने कहा कि किसी परियोजना को राष्ट्रीय स्तर का दर्जा देने के लिए पर्यावरण, वन, वित्तीय और तकनीकी क्लीयरेंस जरूरी है, लेकिन इस मामले में गहलोत सरकार तकनीकी स्वीकृतियां उपलब्ध नहीं करा पाई। उन्होंने कहा कि पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों में राज्य की कुल आबादी के 40 प्रतिशत लोग रहते हैं। गहलोत सरकार की राजनीति के चलते इन 13 जिलों की जनता त्रस्त और बदहाल है। इसी कारण यह महत्वाकांक्षी परियोजना सिरे नहीं चढ़ पाई है।

मुख्यमंत्री गहलोत ने किया परिजनों को सहायता का ऐलानः एक करोड़ रुपए और एक परिजन को सरकारी नौकरी देंगे

सिर में गोली लगने से घायल कांस्टेबल प्रह्लाद ने तोड़ा दम

हिलव्यू समाचार
जयपुर। दौसा में बाइक चोर की फायरिंग में सिर में गोली लगने से घायल कांस्टेबल प्रह्लाद सिंह (34) ने शुक्रवार सुबह एसएमएस हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया। दौसा में सिकंदरा थाना इलाके के रेटा गांव में बुधवार को दो बाइक चोरों से पुलिस की स्पेशल टीम की मुठभेड़ में प्रह्लाद के सिर में गोली लगी थी। प्रह्लाद को शहीद का दर्जा देने समेत अन्य मांगों को लेकर परिजन मुर्दाघर के बाहर बैठ गए। ग्रामीणों ने मांग की है कि यदि उसे शहीद का दर्जा नहीं दिया तो थोई रोड (सीकर-नीमकाथाना) को जाम करेंगे।

इस बीच, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि दौसा की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कांस्टेबल प्रह्लाद के एक परिजन को

सरकारी नौकरी, मुख्यमंत्री सहायता कोष से 20 लाख रुपए सहित कुल 1 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता एवं पारिवारिक पेंशन, एमआईजी-ए श्रेणी का मकान, कृषि कार्य के लिए कनेक्शन देने की घोषणा के साथ ही गैलेंट्री सम्मान के लिए केन्द्र सरकार को सिफारिश भेजने का आश्वासन दिया। इसके अलावा सीएम ने मुकदमे को फास्ट ट्रैक कोर्ट में लाने तथा पैरवी के लिए स्पेशल पीपी नियुक्त करने की भी बात कही। गहलोत ने इस घटना के अपराधी को 36 घंटे के अंदर पकड़ने पर पुलिस कार्रवाई को सराहा।

भाजपा का कुनबा बढ़ाः पार्टी पदाधिकारियों ने कांग्रेस पर बोला जुबानी हमला

रिटायर्ड IAS व IPS और 17 अन्य ने थामा भाजपा का दामन

हिलव्यू समाचार
जयपुर। प्रदेश भाजपा आगामी विधानसभा चुनावों से पहले अपना कुनबा बढ़ाने में जुट गई हैं। गुरुवार को एक बार फिर भाजपा से कई सेवानिवृति आईएएस व आईपीएस अधिकारी जुड़े। वहीं 17 अन्य ने भी प्रदेश कार्यालय में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान एंव रैगर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भंवरलाल नवल, बैरवा महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष लालाराम बैरवा, पूर्व प्रशासनिक अधिकारी कैलाश वर्मा, सेवानिवृत आईएएस हनुमान सिंह भाटी, पूर्व आईपीएस डॉ. महेश भारद्वाज, कुंवर राव गगन सिंह, सेवानिवृत आयुक्त ओमप्रकाश मीणा, सेवानिवृत डीईओ राजाराम मीणा, सेवानिवृत शिक्षा निदेशक बहादुरसिंह गुर्जर, ओमप्रकाश बागडा, रिटायर्ड आयकर आयुक्त नरेन्द्र गौड, भूदेव देवडा, दयानंद सक्करवाल, खेमराज खोलिया, धनेश्वर आहारी और माताराम रिणवा ने सदस्यता ग्रहण की।

जंगलराज से हर तबका तंगः सिंह

भाजपा के प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने कहा कि कांग्रेस सरकार के जंगलराज से आज प्रदेश का हर तबका तंग है। इसलिए सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में भी हर समाज से पूर्व प्रशासनिक अधिकारियों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की हैं। प्रदेश की जनता अब मन बना चुकी है, आगामी चुनावों में युवा, किसान और दलित विरोधी कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकेगी।

कानून व्यवस्था से त्रस्त होकर सदस्यता ग्रहण कर रहेः जोशी

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि भाजपा का कुनबा लगातार बढ़ रहा है। केंद्र की मोदी सरकार ने जो आम जनता के लिए काम किया है उसके प्रति लोग अपना विश्वास दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि रिटायर्ड अधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और यहां तक कि कांग्रेस संगठन से जुड़े नेताओं ने भी भाजपा का दामन थामा है। भाजपा इन नेताओं, कार्यकर्ताओं के सदस्यता ग्रहण के साथ ज्यादा मजबूत हो रही है। जोशी ने कहा कि सरकार की कानून व्यवस्था से त्रस्त होकर यह भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। प्रदेश में कांग्रेस की महाभ्रष्ट सरकार ने बिजली कटौती, महंगे बिजली बिल, पेपर लीक, पेट्रोल-डीजल पर वैट, महिला अपराध, युवाओं और किसानों से वादाखिलाफी के साथ प्रदेश के हर वर्ग को चोट पहुंचाई है।

दिल्ली के पुलिस अफसर रहे हैं डॉ. महेश भारद्वाज

दिल्ली पुलिस मे आईपीएस अधिकारी रहे डॉ. महेश भारद्वाज ने भाजपा का दामन थामा। भारद्वाज ने इस माह के शुरुआत मे ही वीआरएस-स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली थी और राजनीतिक क्षेत्र मे कार्य करने की इच्छा जताई थी। अलवर जिला निवासी डॉ. महेश भारद्वाज ने दिल्ली पुलिस मे सहायक आयुक्त से सरकारी सेवा की शुरुआत की। उन्होने दिल्ली पुलिस, अंडमान निकोबार, मिजोरम के अलावा संयुक्त राष्ट्र संघ मे भी अपनी सेवाएं दी है। वे राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग, सीबीआई, महामहिम राष्ट्रपति और उच्चतम न्यायलय जैसे देश के महत्वपूर्ण संस्थानों मे भी कार्य कर चुके हैं। 2015 मे सराहनीय सेवा के लिए और 2021 में विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया जा चुका हैं।

भाजपा की परिवर्तन यात्रा

केन्द्रीय नेता दिखाएंगे हरी झंडी... स्थानीय नेताओं को नहीं मिलेगा नेतृत्व

हिलव्यू समाचार
जयपुर। भाजपा की ओर से निकाली जाने वाली परिवर्तन यात्रा को लेकर पार्टी ने एक बार फिर से गुटबाजी पर लगाम लगाने की रणनीति के तहत काम किया है। चार दिशाओं से शुरू होकर सितंबर माह में चलने वाली सत्ता 'परिवर्तन यात्रा' में नेतृत्व केन्द्रीय नेताओं के हाथ में रहेगा। दो सितंबर को रणथंभौर के प्रसिद्ध त्रिनेत्र गणेश मंदिर से राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के नेतृत्व में यात्रा की शुरुआत होगी।

चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया ने बताया कि कांग्रेस के कुशासन, भ्रष्टाचार, बदहाल कानून व्यवस्था, युवा और किसान विरोधी सरकार को उखाडने के संकल्प के साथ यह यात्रा चार अलग-अलग दिशाओं से प्रदेश की 200 विधानसभा क्षेत्रों में निकाली जाएगी। इस दौरान प्रदेश भाजपा नेतृत्व के सामूहिक नेतृत्व में 8,500 किलोमीटर से ज्यादा का सफर तय कर परिवर्तन संकल्प यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा के दौरान किसान चौपाल, युवा मोटर साइकिल रैली, महिलाओं की बैठक और दलित चौपालें भी होंगी।

पहली यात्रा 18 दिनों में चलेगी 1,847 किमी

प्रथम परिवर्तन यात्रा 18 दिनों में 1,847 किलोमीटर चलकर भरतपुर संभाग, जयपुर संभाग एवं टोंक जिले की 47 विधानसभा क्षेत्रों में जाएगी। इस दौरान हर विधानसभा क्षेत्र में अनेक स्थानों पर स्वागत, स्वागत सभा और जनसभा का आयोजन होगा। यात्रा का संयोजक भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी को बनाया गया है। सह-संयोजक के रूप में उनके साथ भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जितेन्द्र गोठवाल होंगे।

शाह बेणेश्वर धाम से करेंगे शुरुआत: दूसरी परिवर्तन यात्रा तीन सितंबर को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में बेणेश्वर धाम डूंगरपुर से प्रारंभ होगी। यात्रा 19 दिनों में 2,433 किलोमीटर चलकर उदयपुर संभाग, कोटा संभाग और भीलवाडा जिले की कुल 52 विधानसभा क्षेत्रों में जाएगी। इस यात्रा का संयोजक प्रदेश उपाध्यक्ष चुन्नीलाल गरासिया को बनाया गया है।

राजनाथ रामदेवरा से शुरु करेंगे यात्रा: तीसरी परिवर्तन यात्रा चार सितंबर को केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में रामदेवरा जैसलमेर से प्रारंभ होगी, जिसमें भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी सहित प्रदेश का वरिष्ठ नेतृत्व मौजूद रहेगा। यह यात्रा 18 दिनों में 2,574 किलोमीटर चलकर जोधपुर संभाग, अजमेर व नागौर जिले की कुल 51 विधानसभा क्षेत्रों में जाएगी। इस यात्रा के संयोजक राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत को बनाया गया है।

गोगामेड़ी से यात्रा का गडकरी को नेतृत्व: चौथी परिवर्तन यात्रा 5 सितंबर को केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में गोगामेड़ी से प्रारंभ होगी। यह 18 दिनों में 2,128 किमी चलकर बीकानेर संभाग, झुंझुनूं सीकर और अलवर की कुल 50 विधानसभा क्षेत्रों में जाएगी। यात्रा का संयोजक पूर्व केन्द्रीय मंत्री सीआर चौधरी को बनाया गया है।

एक नज़र

तेज बीप बजी तो चौंके लोग, कइयों के हाथ से गिरे फोन

हिलव्यू समाचार
जैसलमेर। राजधानी सहित प्रदेशभर में शुक्रवार को दोपहर बाद लोगों के फोन में इमरजेंसी ट्रायल के अलर्ट के साथ एक तेज बीप सुनाई दी। इससे लोग अचरज में पड़ गए कि यह क्या हुआ। कुछ के हाथ से तो फोन गिर तक गए। कइयों ने फोन को जेब से निकालकर ही बाहर रख दिया। बाद में स्थिति क्लियर होने पर उन्हें लगा कि कुछ टेक्निकल मिस्टेक की वजह से फोन में से अलग आवाज आ रही है।

दरअसल राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने गुरुवार को सी-डाट की ओर से विकसित आपातकालीन चेतावनी प्रणाली का परीक्षण किया, जो कि प्राकृतिक आपदा के समय आमजन को सूचित करेगी। सैंपल टेस्ट मैसेज गुरुवार को जियो और बीएसएनएल नेटवर्क पर ग्राहकों को भेजा गया, जिसमें मोबाइल पर मैसेज पहुंचते वक्त एक तेज बीप सुनाई दी। इस सेवा का उद्देश्य सार्वजनिक सुरक्षा बढ़ाना और आपात स्थिति के दौरान लोगों को समय पर चेतावनी या सूचना देना है। गौरतलब है कि देशभर में आपातकालीन चेतावनी तकनीक पर काम चल रहा है। इसके माध्यम से एनडीएमए की ओर से आपदा के समय सीधे मोबाइल स्क्रीन पर अलर्ट भेजा जाएगा। इधर, फोन पर भेजे संदेश में कहा गया कि यह भारत सरकार के दूरसंचार विभाग द्वारा सेल ब्राडक स्टग सिस्टम के माध्यम से भेजा गया एक सैंपल टेस्ट मैसेज है। कृपया इस संदेश को अनदेखा करें। आपकी ओर से किसी प्रतिक्रिया की आवश्यकता नहीं है।

सीएम ने ली कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक

घोषणाएँ करना बंद, अब दे रहा हूँ गारंटी: गहलोत

हिलव्यू समाचार
जयपुर। जिस राज्य में चुनाव होते हैं उस राज्य में ईडी, इनकम ट्रैक्स, सीबीआई को भेज कर डर पैदा किया जाता है। मैने घोषणाएं करना बंद कर दिया हैं। अब मैं गारंटी देने लग गया हूं। अपराधी या तो अपराध छोड़े या राजस्थान छोड़े। यह बात शुक्रवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पुलिस मुख्यालय में हुई कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक के बाद मीडिया के सामने कहीं। उन्होंने कहा अपराध के खिलाफ रेस्पांस टाइम में राजस्थान देश में पहले नंबर पर है। पुलिस द्वारा लगभग सभी आपराधिक घटनाओं का खुलासा कर अपराधियों को पकड़ा जा रहा है और न्यूनतम समय में उनको सजा दी जा रही है।

अपराधियों के साथ मिलीभगत सामने आने पर पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों की बर्खास्तगी जैसी कड़ी कार्रवाई भी की जा रही है। मिशन-2030 के तहत वर्ष 2030 तक के लिए पुलिस विभाग का रोडमैप तैयार किया जाएगा।

गहलोत ने डायल 112 योजना के तहत 100 फर्स्ट रेस्पोंस व्हीकल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता यह है कि अपराधियों को ऐसे अपराध करने का मौका ही नहीं मिलना चाहिए। दिसंबर तक अभय कमांड के तहत पूरे प्रदेश में 3 हजार से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा मैं बार-बार बोल चुका हूं की लोकतंत्र खतरे में है, संविधान खतरे में है। बैठक में गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव, मुख्य सचिव उषा शर्मा, पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोडा, प्रमुख शासन सचिव गृह आनंद कुमार शामिल थे। बैठक में मौन रखकर कांस्टेबल प्रहलाद को श्रद्धांजलि भी दी गई।

FIR दर्ज कराने में नहीं होती परेशानी

सीएम गहलोत ने कहा देश के अन्य राज्यों में आज भी पीड़ित को एफआईआर दर्ज कराने में परेशानी होती है। देश में राजस्थान एक मात्र राज्य है, जहां पर एफआईआर आसानी से होती हैं। एफआईआर की संख्या बढ़ने से कोई फर्क नहीं पड़ता। अपराध नहीं बढ़ना चाहिए। एनसीआरबी में लिखा है कि अपराध होना और अपराध का रजिस्ट्रेशन होने में बड़ा फर्क है। इसे विपक्ष को समझना चाहिए।

सोशल मीडिया पर नफरती एवं हिंसात्मक कंटेट की विशेष निगरानी होगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में साम्प्रदायिक सौहार्द्र को बनाए रखने के लिए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सोशल मीडिया पर विशेष ध्यान देकर नफरती तथा हिंसात्मक कंटेट की विशेष मॉनिटरिंग करने और साइबर अपराध और ऑनलाइन धोखाधड़ी तथा हनीट्रैप से संबंधित अपराधों की रोकथाम के लिए आमजन में जागरूकता लाने के निर्देश दिए।

अफसरों ने दिया सीएम के सामने प्रजेंटेशन

बैठक में डीजीपी उमेश मिश्रा, डीजी राजीव शर्मा, एडीजी क्राइम दिनेश एमएन और पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने प्रजेंटेशन दिया। अनुसंधान में लगने वाले औसत समय में निरन्तर कमी आ रही है। दुष्कर्म मामलों में औसत अनुसंधान समय वर्ष 2017 में 208 दिन से घटकर अब 59 दिन रह गया है। एससी-एसटी मामलों में वर्ष 2019 में 128 दिन से घटकर अब 65 दिन रह गया है। महिला अत्याचार मामलों में 45.2 प्रतिशत सजा दर के साथ राजस्थान देश का अग्रणी राज्य है। इन मामलों में सजा दर का राष्ट्रीय औसत मात्र 26.5 प्रतिशत है। पॉक्सो मामलों में 13 लोगों को फांसी दी जा चुकी है। महिलाओं के साथ छेड़छाड़ करने वालों के विरुद्ध चालान होने पर उनके चरित्र सत्यापन में इसका उल्लेख किया जाएगा।

अजमेर में आठ विधानसभा क्षेत्रों के दावेदारों ने सौंपे आवेदन

मिशन 156 के तहत रिपीट होगी कांग्रेस सरकार: भूपेश

हिलव्यू समाचार
अजमेर। कांग्रेस में विधानसभा चुनाव से पूर्व जिताऊ उम्मीदवारों की कवायद तेज हो गई है। कांग्रेस पर्यवेक्षकों सहित विधायक और मंत्री भी विधानसभावार दौरे कर रहे हैं।इस बीच शुक्रवार को प्रत्याशियों की तलाश में कांग्रेस राज्य चुनाव समिति के सदस्य व कृषि मंत्री लालचंद कटारिया और महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश शुक्रवार को अजमेर पहुंचे। सर्किट हाउस में दोनों मंत्रियों ने टिकट दावेदारों से वन-टू-वन मुलाकात की।

मुलाकात के बाद मंत्री ममता भूपेश ने कहा कि टिकट वितरण का आधार जिताऊ उम्मीदवार रहेगा। दोनों मंत्रियों ने टिकट दावेदारों से बंद कमरे में मुलाकात की। दावेदारों से मिलने के बाद मीडिया से बातचीत में ममता भूपेश ने कहा कि मिशन 156 के तहत राजस्थान में कांग्रेस सरकार रिपीट हो रही है। कार्यकर्ता उत्साह के साथ दावेदारी कर रहे हैं। दावेदारों से विचार विमर्श और मंथन किया जा रहा है।

आठ विधानसभाओं के उम्मीदवार सामने आए

अजमेर में शुक्रवार को मीटिंग के दौरान मंत्री लालचंद कटारिया और ममता भूपेश के सामने आठ विधानसभा क्षेत्रों के उम्मीदवारों ने दावेदारी पेश की और अपने आवेदन सौंपे। इस मौके पर मंत्री ममता भूपेश ने दावेदारों से कहा कि टिकट वितरण का आधार जिताऊ उम्मीदवार रखा गया है। दावेदारों की लिस्ट को पीसीसी को भिजवाया जाएगा। टिकट वितरण में जिताऊ उम्मीदवार ही सबसे बड़ी प्रायोरिटी है।

बीजेपी में 10 से ज्यादा सीएम पद के चेहरे

मंत्री ममता भूपेश ने भारतीय जनता पार्टी पर भी निशाना साधा और कहा कि बीजेपी देश में महंगाई बढ़ाने का काम कर रही है। जबकि कांग्रेस सरकार ने महंगाई राहत कैंप का आयोजन कर जनता को राहत पहुंचाने का काम किया है। मंत्री ममता भूपेश ने कहा कि राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी के 10 से ज्यादा सीएम पद के चेहरे हैं। बीजेपी एक गैर अनुशासित पार्टी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आंख बंद कर पार्टी चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार सभी धर्मों को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है। कांग्रेस पार्टी सांप्रदायिकता के आधार पर चलती है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, इसाई सभी धर्म को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है।

भाजपा महिला मोर्चा संभाग स्तरीय प्रतिनिधि सम्मेलन

महिलाओं के ख़िलाफ़ अपराध सरकार के नियंत्रण से बाहर

हिलव्यू समाचार
जयपुर। भाजपा महिला मोर्चा की ओर से शुक्रवार को प्रदेशाध्यक्ष डॉ. रक्षा भंडारी के नेतृत्व में भाजपा महिला संभाग स्तरीय प्रतिनिधि सम्मेलन का आयोजन मानसरोवर मे किया गया। इस दौरान महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. रक्षा भंडारी ने कहा कि भाजपा महिला मोर्चा आगामी दिनों में विभिन्न अभियानों की शुरूआत करेगा।

सम्मेलन की मुख्य अतिथि महिला मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष वानथी श्रीनिवासन ने कहा कि मोदी सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं से महिलाओं का जीवन बेहद सरल हुआ है। जिसमें उज्जवला योजना, पीएम आवास योजना और स्वच्छता अभियान के तहत करोड़ों शौचालय का निर्माण कराया गया शामिल है। पीएम मोदी ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए जन धन के खाते खुलवाए और आज ये भारत और भारत सरकार के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। राजसमंद सांसद व प्रदेश महामंत्री दिया कुमारी ने कहा कि प्रदेश में दुष्कर्म की घटनाएं बढी हैं।

सरकार में बैठे लोग खुद न्यायोचित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, इससे साफ जाहिर होता है कि प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराध अब सरकार के नियंत्रण से बाहर है। आगामी विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ प्रदेश में पुनः डबल इंजन की सरकार बनेगी साथ ही बहनों को कांग्रेस सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकने का संकल्प दिलाया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व प्रदेश प्रवक्ता पूजा कपिल मिश्रा ने अपने संबोधन में कांग्रेस सरकार की विफलताओं के बारे में बताया और कहा कि गहलोत सरकार ने भ्रष्टाचार की लूट मचा रखी है। उनके राज में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं।

भरतपुर के केवलादेव नेशनल पार्क में विदेशी पक्षियों के आने का सिलसिला शुरू

पक्षियों के कलरव से गूंजा घना, पेंटेड स्टार्क ने की नेस्टिंग

हिलव्यू समाचार
भरतपुर। भरतपुर जिले में स्थित विश्व विख्यात केवलादेव नेशनल पार्क विदेशी पक्षियों के कलरव से गूंजने लगा है। यहां सात समंदर पार से लंबी दूरी तय कर पक्षियों का आना शुरू हो गया हैं।

केवलादेव नेशनल पार्क में देशी विदेशी लगभग 300 प्रजाति के पक्षी देखने को मिलते हैं। बरसात के मौसम में पक्षी नेस्टिंग के लिए पार्क में आते हैं और बच्चों को जन्म देकर अपने देश लौट जाते हैं। इस बीच केवलादेव में पक्षियों का अद्भुत संसार सजने लगा है। मानसून के पहले उद्यान में पहुंचे ओपन बिल स्टार्क के बाद अब अच्छी संख्या में पेंटेड स्टार्क भी पहुंच गए हैं। 200 से अधिक पेंटेड स्टार्क ने घना में नेस्टिंग कर ली है। इस बार अच्छी बरसात और पानी के कारण इनकी संख्या करीब 500 से 1000 तक पहुंचने की संभावना है। वहीं, ओपन बिल स्टार्क के घोंसलों में बच्चों की चहचहाट भी गूंजने लगी है। घना डीएफओ मानस सिंह ने बताया कि इस बार उद्यान में 15 अगस्त को करीब 40-50 की संख्या में पेंटेड स्टार्क पहुंचे थे। इसके बाद 22 और 23 अगस्त को हुई बरसात के दौरान इनकी संख्या करीब 200 के आसपास पहुंच गई, जिन्होंने बी और डी ब्लॉक में नेस्टिंग की है। उद्यान के मुख्य मार्ग के दोनों तरफ के पेड़ों पर इनकी अच्छी संख्या नजर आ रही है। इनकी संख्या मानसून के अंत तक 500 से 1000 तक पहुंचने की संभावना है। उन्होंने बताया कि बरसात के सीजन में पेंटेड स्टार्क यहां आते हैं और चारो तरफ पानी भरा हुआ हो उन पेड़ों पर अपनी बस्ती बसाते हैं। हर वर्ष पेड़ों पर घौंसला बनाकर ब्रीडिंग करते हैं।

घोंसलों में बच्चों की चहचहाट

मानसून से पहले घना पहुंचे करीब 150 ओपन बिल स्टार्क के घोंसलों में अंडों से बच्चे बाहर निकल आए हैं। घोंसलों से बच्चों की चहचहाट सुनाई देने लगी है। ओपन बिल के साथ ही स्पूनबिल और अन्य मानसूनी पक्षियों की भी अच्छी संख्या नजर आने लगी हैं। पेंटेड स्टार्क मानसून में अगस्त तक यहां आते हैं और नेस्टिंग करते हैं, ब्रीडिंग करते हैं। जब बच्चे बड़े हो जाते हैं तो फरवरी-मार्च में स्टार्क अपने बच्चों के साथ दक्षिण भारत की तरफ उड़ान भरते हैं। पक्षियों का आने जाने का सिलसिला हर वर्ष चलता रहता है।

ऐसा होता है पेंटेड स्टार्क

पेंटेड स्टार्क देखने में बहुत ही सुंदर पक्षी होता है। इसकी पीली चोंच, जो आगे से नीचे की तरफ मुड़ी हुई होती है। गर्दन और पीठ सफेद, पंख हल्के गुलाबी रंग लिए, जिन पर काली सफेद पट्टी भी नजर आती है। पैर गहरे गुलाबी या लाल रंग के होते हैं। इसका आकार करीब 40 इंच और फैले हुए पंखों के साथ करीब 63 इंच तक होता है। वजन करीब 2 से 3.50 किलो तक होता है।

FASHION जोन

अपने वार्डरोब में सहेजें सदाबहार प्रिंट

कुछ प्रिंट किसी खास ट्रेंड के साथ आते हैं और फिर चले जाते हैं. लेकिन कुछ प्रिंट सदाबहार होते हैं. ये वर्षों चलते हैं. अगर बीच में कभी इनका चलन कुछ कम भी हो गया तो जल्द ही फिर लौटकर आ जाता है. हर किसी के वार्डरोब में कुछ ऐसे प्रिंट जरूर होने चाहिए. ये बहुत कूल और स्टाइलिश लुक देते हैं. आइए जानते हैं कि आप अपने वार्डरोब में कौन-कौन से ऐसे एवरग्रीन प्रिंट सहेज सकती हैं.

एवरग्रीन पोल्का डॉट

फैशन इंडस्ट्री में पोल्का डॉट का ट्रेंड कभी पुराना नहीं पड़ता. इसे लोग कल भी पसंद करते थे, आज भी पसंद करते हैं और आगे भी पसंद करेंगे. यह वाकई एवरग्रीन प्रिंट है, इसलिए आपके वार्डरोब में कम से कम पोल्का डॉट की एक ड्रेस तो होनी ही चाहिए. इसे कुछ लोग बॉबी प्रिंट के नाम से भी जानते हैं, क्योंकि इसे बॉलीवुड की हीरोइन डिम्पल कपाड़िया ने फिल्म 'बॉबी' में पहनकर बहुत लोकप्रिय बना दिया था. शायद यही वजह है कि आज भी नई से नई हीरोइनें पोल्का डॉट की ड्रेस कैरी करना पसंद करती हैं. पोल्का डॉट के साथ एक खूबी यह भी है कि इसे किसी भी हाइट, किसी भी वजन, किसी भी उम्र और त्वचा के रंग की महिलाएं आराम से कैरी कर सकती हैं. इसकी एक खूबी यह भी है कि पोल्का डॉट की ड्रेसेज हर किसी पर अच्छी लगती हैं. पोल्का डॉट की ड्रेसेज आमतौर पर कैजुअल और आरामदायक होती हैं.

बिगड़ा मूड बना दे फ्लोरल

टॉप हो या शर्ट, साड़ी हो या फिर सूट, फ्लोरल प्रिंट इन दिनों सबसे ज्यादा ट्रेंड में है. यह एक ऐसा प्रिंट है जो एथेनिक लुक देने के साथ-साथ रोमांटिक और मॉडर्न लुक भी देता है. सिर्फ ड्रेसेज ही नहीं, सर्दियों में फ्लोरल लांग ओवरकोट भी आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं. फ्लोरल प्रिंट में एक अच्छी बात यह भी है कि इसे भी आम या खास कोई भी कैरी कर सकता है और यह सब पर अच्छा लगता है. इसे हर कोई पसंद करता है. सेलिब्रिटीज को भी आजकल फ्लोरल प्रिंट खूब भाता है. इसलिए यह कहने की जरूरत नहीं है कि आपके वार्डरोब में फ्लोरल प्रिंट की भी कोई न कोई ड्रेस जरूर होनी चाहिए. यह हर मौसम और हर ओकेजन के लिए सुटेबल है.

कभी नहीं जाता चेक प्रिंट का ट्रेंड

चेक प्रिंट भी बड़ा स्थायी प्रिंट है. यह अलग-अलग समय में डिफरेंट एक्सप्रेशन देता रहा है. एक दौर था जब चेक प्रिंट फिल्मों में सिर्फ सीधे-सादे और गरीब दिखने वाले किरदार पहनते थे. लेकिन अब वक्त बदल गया है. आज की तारीख में ऑफिस गोइंग महिलाएं भी खूब चेक प्रिंट पहनती हैं. यह जितना फीमेल के लिए आम प्रिंट है, उससे कहीं ज्यादा मेल के लिए है. बदलते दौर के सौंदर्यबोध ने चेक प्रिंट के कद्रदानों में इजाफा किया है. पहले इसे खास तौर पर यूथ पसंद करता था,लेकिन अब बच्चों को भी चेक खूब भाता है.अधेड़ उम्र के लोग भी चेक प्रिंट को कैरी करना पसंद करते हैं. युवतियां खास तौर पर चेक के शर्ट, साड़ी और नये डिजाइन में आउटफिट कैरी करती हैं. समर सीजन का तो यह विशेष तौर पर पसंदीदा प्रिंट है. लड़कों को चेक प्रिंट का पैंट खूब भाता है तो वहीं लड़कियां खास तौर पर सूट पसंद करती हैं. फैशन डिजाइनर मानते हैं कि इस साल गर्मियों में चेक प्रिंट की खूब मांग रहने वाली है.

एनिमल पैटर्न

एनिमल पैटर्न को लेपर्ड प्रिंट भी कहते हैं. पहले कुछ एक्स्ट्रा मॉड युवतियां ही इसे कैरी करती थीं, लेकिन अब ये स्मूथ हो गया है और सभी खासकर कॉलेज गोइंग युवतियां इसे सहजता से कैरी करती हैं. एनिमल पैटर्न का प्रिंट फिक्स होता है, इसमें आमतौर पर ब्लैक स्ट्राइप और यलो तथा ब्राउन का कंट्रास्ट पसंदीदा कलर पैटर्न होता है. पहले लेपर्ड प्रिंट में कुछ गिनी-चुनी ड्रेसेज ही हुआ करती थीं, लेकिन आजकल इसमें खूब वेरायटी हैं.

आजकल लेपर्ड प्रिंट ही नहीं, एनिमल प्रिंट्स में जेब्रा और टाइगर प्रिंट भी आसानी से उपलब्ध हैं. जबकि पहले सिर्फ लेपर्ड प्रिंट ही मिलता था. शायद इसीलिए अब इसे लेपर्ड प्रिंट की जगह एनिमल प्रिंट कहते हैं. इसे जंपसूट, गाउन और जैकेट में भी आराम से कैरी किया जाता है. यह कूल और स्टाइलिश लुक देता है. इसे कैरी करके आप मॉडर्न दिखती हैं, इसलिए एनिमल पैटर्न की भी कम से कम एक ड्रेस आपके वार्डरोब में होनी चाहिए.

सावधान.. फेशियल के नुकसान भी होते हैं

इसमें कोई दो राय नहीं है कि फेशियल से चेहरे की त्वचा साफ, नरम, कोमल और मुलायम हो जाती है, जैसी त्वचा पाना हर महिला का ख्वाब होता है. लेकिन यह भी जान लें कि फेशियल से सिर्फ फायदे ही नहीं होते, जरूरत से ज्यादा फेशियल करने से इसके जबरदस्त नुकसान भी हो सकते हैं. जिन महिलाओं को फेशियल सूट नहीं करता, फिर भी वे इससे बेहतर नतीजे पाने के लिए बार-बार इसे आजमाती हैं. ऐसे में फायदे मिलने की जगह उन्हें काफी नुकसान हो सकता है, जिसकी भरपायी करना भी आसान नहीं होता.

BEAUTY जोन

जल्दी-जल्दी नहीं कराएं

फेशियल स्किन की गहराई में जाकर क्लीनिंग करता है और त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाता है. लेकिन कुछ महिलाएं महीने में 4-5 बार फेशियल करवाती हैं. ऐसा करना बहुत नुकसानदायक हो सकता है. बार-बार फेशियल कराने से वातावरण में फैला प्रदूषण, गहरी धूप, धूल व मिट्टी का असर चेहरे पर साफ-साफ दिखाई देने लगता है. हफ्ते में केवल एक बार स्क्रबिंग और महीने में अधिकतम 2 बार फेशियल कराना चाहिए. ज्यादा फेशियल कराने से चेहरे के पोर्स खुल जाते हैं और कई बार मुंहासों की समस्या पैदा हो जाती है.

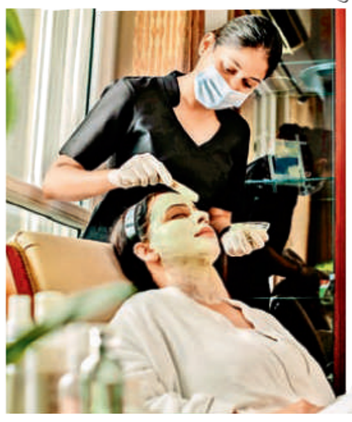

बिगड़ जाता है पीएच बैलेंस

यदि आप नियमित रूप से चेहरे का फेशियल कराती हैं तो इससे त्वचा अपनी कुदरती नमी खो देती है और इसका नुकसान यह होता है कि त्वचा का पीएच बैलेंस बिगड़ जाता है. महीने में एक बार फेशियल कराना अच्छा होता है और अगर इससे ज्यादा कराना ही हो तो अधिकतम 2 बार फेशियल कराना चाहिए. ऐसा करने से त्वचा का पीएचल बैलेंस ठीक रहता है.

पैच टेस्ट जरूरी

सबकी त्वचा अलग अलग होती है और कई लोगों की त्वचा दूसरे लोगों के मुकाबले ज्यादा सेंसेटिव होती है. इसलिए स्किन में होने वाली किसी एलर्जी को लेकर यह नहीं मानना चाहिए कि अगर उसे नहीं होती तो मुझे कैसे होगी? अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है तो कोई भी केमिकल युक्त मसाज क्रीम और फेसपैक इस्तेमाल करने से त्वचा में खुजली की दिक्कत हो जाती है. इसलिए जब भी पहली बार फेशियल करवाएं तो अपने ब्यूटी प्रोडक्ट का पैच टेस्ट जरूर करवा लें.

खो जाती है नेचुरल नमी

त्वचा में अपना एक नेचुरल मॉश्चराइजर होता है. लेकिन अगर ज्यादा फेशियल कराया जाता है तो त्वचा का यह मॉश्चर खत्म हो जाता है. ज्यादा फेशियल से त्वचा में लाल चकत्ते पड़ जाते हैं और कई बार ये चकत्ते अनेक तरह की परेशानियों का घर साबित होते हैं. इससे त्वचा में सूजन आ सकती है. यह सूजन लंबे समय तक रह सकती है और कई बार तो ज्यादा स्थिति खराब हो जाए तो सूजन स्थायी हो जाती है.

क्रिएटिव तरीके से सजाएं लिविंग रूम

INTERIOR जोन

अच्छे तरीके से सजा हुआ घर सबको अच्छा लगता है, खासकर ड्राइंगरूम. ज्यादातर मेहमानों को यहीं बैठाया जाता है, इसलिए यह और भी ज्यादा जरूरी हो जाता है कि वह खूबसूरत ढंग से सजा-संवरा हो. अगर ड्राइंगरूम या लिविंग रूम को यूनिक और क्रिएटिव तरीके से सजाया जाए तो सुंदरता और भी ज्यादा बढ़ जाती है. इसके लिए यह जरूरी नहीं है कि आप बाजार से महंगी और क्रिएटिव चीजें लाकर ही इन्हें डेकोरेट करें, आप घर पर पड़ी कुछ चीजों का इस्तेमाल करके ड्राइंग रूम को यूनिक लुक दे सकते हैं.

टोकरी के साथ

आप दीवारों पर बेकार पड़ी टोकरियां लगा सकते हैं. इस तरह से टोकरियां लगाने से दीवारें एकदम यूनिक दिखेंगी. साथ में यह क्रिएटिविटी आपके घर की सुंदरता पर चार-चांद लगा देगी.

मैप को फ्रेम करके लगाएं

आपने बच्चों को कई बार मैप का इस्तेमाल करते हुए देखा होगा. आप मैप को घर की सजावट के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं. आप ड्राइंग रूम में मैप लगाकर एक यूनिक लुक क्रिएट कर सकते हैं. मैप को फ्रेम करके आप दीवार पर लगा सकते हैं. इसके अलावा जिन जगहों में आप घूमना चाहते हैं या घूमकर आए हैं, उसका मैप अपने दीवार पर लगा सकते हैं.

लाइट्स

आप ड्राइंगरूम में रोशनी बढ़ाने के लिए छत पर लाइट्स लगा सकते हैं. फेयरी लाइट्स या फिर बल्ब वाली लाइट्स छत पर सजा सकते हैं. लाइट्स के साथ रूम डेकोरेटिव भी लगेगा और साथ में कमरा क्रिएटिव भी नजर आएगा. आप चाहे तो झूमर लाइट्स का इस्तेमाल भी कर सकते हैं.

हैंगिंग प्लांट्स

दीवार पर हैंगिंग प्लांट्स लगाकर भी अपने घर की सुंदरता बढ़ा सकते हैं. इन प्लांट्स को डेकोरेटिव तरीके से कमरे की दीवार पर लगा सकते हैं. अगर आपको कोई पौधा अच्छा लगता है तो ड्राइंगरूम की सजावट के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं.

कलरफुल सोफा सेट

रंग-बिरंगे सोफे भी ड्राइंग रूम की सुंदरता को चार-चांद लगा देंगे. घर में आने वाले मेहमानों को भी कलरफुल सोफा आकर्षित करेगा. दीवार के कलर के साथ मैच करता हुआ सोफा भी आकर्षक लगता है.

जार में बल्ब

पुराने पड़े कांच के जार में बल्ब लगाकर उसे डेकोरेट कर सकते हैं. इससे आपके घर को एक यूनिक और क्रिएटिव लुक मिलेगा. इसके अलावा पुराना जार भी इस तरह से दोबारा इस्तेमाल में आ जाएगा.

बच्चों में डेवलप करें अच्छी लाइफस्टाइल

PARENTING जोन

हम सभी अपने बच्चों के लिए कुछ करना चाहते हैं. साथ ही उन्हें ऐसी शिक्षा भी देना चाहते हैं जिससे वे आगे जाकर अपने जीवन में कुछ अच्छा कर पाएं. उन्हें आत्मनिर्भर बनाएं. ऐसे में आपको अपने बच्चों को कुछ चीजों के बारे में जरूर सिखाना चाहिए जो उनके भविष्य के लिए काफी आवश्यक हैं.

खुद का काम खुद करना सिखाएं

हम आजकल अपने बच्चों की देखभाल के लिए नौकर रखते हैं. ऐसे में यह गलत भी नहीं है लेकिन आपको अपने बच्चों को उनका खुद का काम उन्हें खुद ही करने देना चाहिए. खासकर जब बच्चे 3 साल से ऊपर के हो जाएं तो उन्हें उनकी जिम्मेदारियों का एहसास कराएं.

अलग-अलग तरह के टास्क दें

एक्सपर्ट का कहना है कि बच्चों को बचपन से ही अलग-अलग तरीके का टास्क देना चाहिए. ऐसे में वे क्रिएटिव बनेंगे. वे किसी भी चीज को लेकर जितना सोचेंगे, उनके दिमाग में उतने ही ज्यादा सवाल बनेंगे. ऐसे में यह उनके विकास के लिए यह काफी जरूरी है.

हेल्दी आदतें सिखाएं

अपने बच्चों को सेहत से जुड़ी अच्छी आदतें सिखाएं. जैसे- रोजाना ब्रश करना, रोजाना नहाना. इन आदतों को खासकर अपने बच्चों में छोटी उम्र में ही डालें. ऐसे में वह इन आदतों को लंबे समय तक नहीं भूलेंगे.

हाइजीन के बारे में बताएं

आप अपने बच्चों को हाइजीन के बारे में जरूर बताएं. छोटे बच्चे जब स्कूल जाते हैं और वह पब्लिक बाथरूम का इस्तेमाल करते हैं तो उन्हें कुछ चीजों के बारे में पहले से ही पता होना चाहिए. ऐसे में आपके बच्चे अकेले भी कहीं होंगे तो वह हाइजीन का खास ख्याल रखेंगे.

सही तरीके से सामान रखना

अपने सामान, किताब और गैजेट्स को सही तरीके से रखना जरूर सिखाएं. ऐसा आपको छोटी उम्र से ही करना चाहिए. ऐसे में बच्चे अपने किसी भी सामान का खास खयाल रखेंगे.

निवेश करने से पहले ध्यान रखें ये जरूरी बातें

हर व्यक्ति अपनी जमा-पूंजी पर ज्यादा से ज्यादा लाभ पाना चाहता है. लेकिन इसी चक्कर में आए दिन ऐसी घटनाएं होती रहती हैं, जिनमें निवेश की किसी स्कीम में बहुत अधिक लाभ का लालच देकर लोगों को गुमराह करके हजारों-लाखों लोगों से भारी-भरकम राशि इकट्ठी कर ली जाती है और इसके बाद स्कीम चलाने वाले लोग या तो गायब हो जाते हैं या फिर लाभ नहीं दे पाते या निवेशकों का मूलधन भी वापस नहीं कर पाते. ऐसे में अपना पैसा किसी भी तरह के निवेश में लगाने से पहले कुछ सावधानियां जरूर बरतें, जिससे आपका पैसा भी सुरक्षित रहे और अच्छा लाभ भी प्राप्त हो.

विज्ञापनों पर भरोसा न करें

निवेश करते समय ज्यादातर लोग जल्दी से जल्दी बहुत लाभ का वादा देने वाले विज्ञापनों या कंपनियों की बातों पर बिना जांच-पड़ताल किए विश्वास कर लेते हैं. लोगों को ईमेल या एसएमएस द्वारा भी ऐसी स्कीमों के चंगुल में फंसाने की कोशिश की जाती है. यदि कोई बैंकों से ज्यादा ब्याज या लाभ अथवा थोड़े ही समय में लाखों की कमाई का आश्वासन देता है तो ऐसी स्कीमों से दूर रहें.

किसी की बातों में न आएं

कई बार व्यक्ति खुद को किसी प्रतिष्ठित संस्था या बैंक का प्रतिनिधि बताकर राशि जमा करने की बात करता है. बाजार में घूम रहे सेल्समैन या एसएमएस भेजने वाले किसी व्यक्ति की बात पर विश्वास करके निवेश करना एक बड़ी भूल है.

बचत की जानकारी गोपनीय रखें

सभी तरीके के निवेश में से मान्यता प्राप्त बैंकों में पैसे जमा करवाना सबसे सुरक्षित तरीका है. परंतु इसमें भी सावधानी बरतने की जरूरत है. कई बार बैंकों के कर्मचारी भी किसी ग्राहक के खाते से धोखाधड़ी से पैसा निकाल लेते हैं. इसलिए बैंक में अपनी बचत की जानकारी व अपने एटीएम के पिन गोपनीय रखें, अपनी चेक बुक सुरक्षित रखें. अपने सहकर्मियों या मित्रों पर अंधविश्वास न रखें.

एक ही जगह पैसा न लगाएं

एक ही जगह बहुत ज्यादा पैसा न लगाएं. अगर कोई निवेशक कई तरह की अलग-अलग परिसंपत्तियों में पैसा लगाता है तो चाहे वह अपना पैसा शेयर बाजार में ही क्यों न लगाए, एक मोटे नुकसान की आशंका से बच सकता है.

पहले आकलन करें

कोई भी निवेश योजना बनाने से पहले निवेशक को आकलन करना चाहिए कि उसे किस पैसे की कब जरूरत होगी. कुछ पैसा बैंक सावधि जमा खाते (एफडी) में रखने का लाभ यह है कि किसी भी समय जरूरत पड़ने पर पैसा निकाला जा सकता है.

ब्राइडल हेयर स्टाइल से बाल हुए डैमेज तो...

हम सभी चाहते हैं कि हमारे बाल खूबसूरत और घने नजर आएं. हम स्टाइलिश दिखने के चक्कर में तरह-तरह के ब्राइडल हेयर स्टाइल तो बना लेते हैं लेकिन बाद में होने वाले हेयर डैमेज की वजह से झड़ते बालों की समस्या से परेशान हो जाते हैं. खासकर ब्राइडल हेयर स्टाइल की वजह से शादी के बाद बालों की सही तरीके से देखभाल करना बेहद जरूरी होता है. ऐसा करने से आपके बाल डैमेज होने से बच सकते हैं और घने भी रहेंगे.

केमिकल से होते हैं रूखे-बेजान

हेयर स्टाइल बनाते समय कई तरह के केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स जैसे हेयर स्प्रे का इस्तेमाल किया जाता है, जिसके कारण आपके बाल काफी हद तक डैमेज हो जाते हैं.साथ ही इन हेयर स्टाइल को बनाने के लिए कई हीटिंग प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल किया जाता है. इस कारण भी आपके बाल रूखे और बेजान नजर आने लगते हैं.

चंपी करने के फायदे

ब्राइडल हेयर स्टाइल को खोलने के बाद अपने बालों की सेहत के लिए नारियल तेल से करीब 10 से 15 मिनट तक चंपी करनी चाहिए. ऐसा करने से आपके बाल हेयर स्टाइल को बनाते समय इस्तेमाल किए गए केमिकल और हेयर टूल्स के कारण डैमेज होने से बच जाएंगे. नारियल का तेल आपके बालों को पोषण देने में मदद करेगा.

इन चीजों को भी ट्राई करें

हेयर सीरम रूखे और बेजान बालों को जीवनदान देने में मदद करता है. इसका इस्तेमाल आप दिन में करीब 3 से 4 बार तक कर सकती हैं. साथ ही आप चाहे तो नेचुरल चीजों से बने हेयर मास्क का भी इस्तेमाल कर सकती हैं. इसके अलावा आप चाहे तो बालों में केवल एलोवेरा भी लगा सकती हैं. एलोवेरा का इस्तेमाल आप हफ्ते में करीब 2 बार तक कर सकती हैं. बाल अगर बहुत ज्यादा ड्राई हो गए हैं तो आप होममेड हेयर स्पा भी कर सकती हैं.

जब पहनें हाई हील, तो ध्यान रखें ये बातें

आमतौर पर यह देखा गया है कि हाई हील पहनने वाली कई किशोरियों में असहनीय कमर दर्द के कई मामले सामने आते हैं. ऊंची एड़ियों वाले सैंडलों से हर तीसरी युवती प्रभावित है और इनमें से कई युवतियां तो स्थायी रूप से आर्थोपैडिक समस्याओं का भी शिकार हो जाती हैं, लेकिन उन्हें इसका एहसास काफी नुकसान झेलने के बाद होता है. जब आप हाई हील पहनती हैं तो आपकी कमर और नितंबों पर जबरदस्त दबाव पड़ता है, जो आपकी रीढ़ के लिए काफी नुकसानदेह होता है.

- ★ जितनी ऊंची एड़ियों के सैंडल पहनेंगी, उतना ही आपकी कमर और एड़ियों की हडिड्यों पर पड़ता है.
- ★ हाई हील के कारण नितंबों, कंधों, कमर और रीढ़ की अवस्था बिगड़ जाती है.
- ★ यदि आपका वजन अधिक है, तो हाई हील आपका संतुलन भी बिगाड़ सकती है और आपके चोटिल होने की संभावना बढ़ा देती है.
- ★ पैरों के अंगूठों से पहले के हिस्सों में हाई हील के कारण दर्द बढ़ जाता है.
- ★ फीते और पंप स्टाइल ऊंची एड़ी के सैंडल पहनने से एड़ियों के पिछले हिस्से की हड्डी बढ़ सकती है.
- ★ यदि आप लंबे समय तक हाई हील सैंडल पहनती हैं तो इनसे शिराओं और पिंडलियों की मांसपेशियों को स्थायी रूप से नुकसान पहुंचता है.

हालांकि महिलाएं अपनी पसंदीदा फुटवियर का मोह बमुश्किल ही छोड़ पाती हैं, यहां तक कि तकलीफ सहते रहने के बाद भी. लिहाजा, आप हाई हील पहनने के दौरान दर्द और नुकसान को इन उपायों से कम कर सकती हैं :

- ★ ड्राइविंग के दौरान फ्लैट चप्पलें पहनें.
- ★ किसी मीटिंग में बैठने के दौरान आप अपने सैंडल ढीले कर सकती हैं और अपने पैरों को फर्श पर रख सकती हैं.
- ★ 20-30 मिनट के अंतराल पर ब्रेक लें और अपने सैंडल निकाल दें.
- ★ जब लगे कि सैंडल खराब हो रहे हैं तो लगाव होने के बावजूद उन्हें बदल लें.
- ★ सैंडलों का चयन स्टाइल या उनकी मोटाई से न करें, बल्कि उन्हें पहनकर आराम महसूस करने के आधार पर करें.

नीरज चोपड़ा ने एक थ्रो से किए दो कारनामे

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचे और पेरिस ओलंपिक के लिए किया क्वालीफाई

बुडापेस्ट, (एजेंसी)। भारत के शीर्ष भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के क्वालीफाइंग राउंड में 88.77 मीटर के शानदार थ्रो के साथ फाइनल में प्रवेश कर किया लिया।

नीरज अपने पहले ही प्रयास में भाले को 88.77 मीटर दूर फेंककर क्वालीफाइंग राउंड के ग्रुप-ए में शीर्ष पर रहे। विश्व चैंपियनशिप के फाइनल का क्वालीफिकेशन निशान 83 मीटर पर निर्धारित था। नीरज ने इसी के साथ पेरिस ओलंपिक 2024 में भी क्वालीफाई कर लिया। पेरिस ओलंपिक में क्वालीफाई करने के लिए खिलाड़ियों को कम से कम 85.50 मीटर की दूरी पर भाला फेंकना था। ओलंपिक क्वालीफिकेशन प्रक्रिया एक जुलाई 2023 को शुरू हुई थी और 30 जून 2024 तक जारी रहेगी। केवल विश्व एथलेटिक्स नियमों के अनुरूप विश्व एथलेटिक्स, क्षेत्रीय संघों या राष्ट्रीय महासंघों (नीरज के मामले में भारतीय एथलेटिक्स महासंघ) द्वारा आयोजित या अधिकृत प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन ही ओलंपिक क्वालीफिकेशन के लिए मान्य होते हैं।

बिंद्रा के रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते है नीरज

नीरज चोपड़ा ने अमेरिका में 2022 विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता था। वह इस बार भी यहां स्वर्ण पदक के प्रबल दावेदार हैं। अगर चोपड़ा विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीत लेते हैं तो वह निशानेबाज अभिनव बिंद्रा के बाद ओलंपिक और विश्व चैम्पियनशिप की व्यक्तिगत स्पर्धा में पीला तमगा जीतने वाले दूसरे भारतीय बन जाएंगे। बिंद्रा 2008 में व्यक्तिगत स्पर्धा का ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने थे, उन्होंने 2006 में जगरेब में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में शीर्ष पोडियम स्थान हासिल किया था।

नीरज ने की किशोर जेना की मदद

किशोर जेना का वीजा हंगरी के दूतावास ने रद्द कर दिया था। जेना का वीजा रद्द होने के बाद नीरज चोपड़ा एक्शन में आ गए थे। नीरज ने वीजा मुद्दे को सुलझाने के लिए विदेश मंत्रालय से हस्तक्षेप की मांग की थी। नीरज की कोशिशें रंग लाईं और किशोर जेना को हंगरी का वीजा मिल गया। अब उन्होंने फाइनल में पहुंचकर भारतीय फैन्स को झूमने का मौका दिया है।

भारत के मनु और जेना ने भी फाइनल में जगह बनाई

नीरज चोपड़ा के अलावा भारत के डीपी मनु और किशोर जेना ने भी क्रमशः छठे और नौवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई। डीपी मनु का बेस्ट थ्रो 81.31 मीटर रहा, वहीं जेना ने 80.55 का सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। मेन्स जैवलिन थ्रो इवेंट के लिए 37 जेवलिन थ्रोअर्स में से कुल 12 खिलाड़ियों ने फाइनल मुकाबले में प्रवेश किया। नीरज चोपड़ा के अलावा पाकिस्तान के अरशद नदीम और चेक रिपब्लिक के जैकब वाडलेच ही ऑटोमेटिक क्वालिफाई कर पाए। नदीम ने 86.79 मीटर का लाजवाब थ्रो किया, वहीं वाडलेच का बेस्ट अटेम्प 83.50 मीटर रहा। ऑटोमेटिक क्वालीफाई करने के लिए क्वालिफिकेशन मार्क 83 मीटर था। ऐसे में डीपी मनु और किशोर जेना समेत 9 खिलाड़ियों ने टॉप-12 में फिनिश करने के चलते फाइनल में एंट्री ली। अब वर्ल्ड चैम्पियनशिप में गोल्ड के लिए इन 12 एथलीट्स के बीच रविवार को जंग देखने को मिलेगी। खराब फॉर्म से गुजर रहे गत विश्व चैंपियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स की जैवलिन मात्र 78.49 मीटर की दूरी ही तय कर सकी और वह विश्व चैंपियनशिप से बाहर हो गए।

कोहली को बीसीसीआई ने लगाई फटकार

यो-यो टेस्ट का स्कोर सोशल मीडिया पर शेयर करना पड़ा भारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली को अपने यो-यो टेस्ट का स्कोर को सोशल मीडिया पर शेयर करना भारी पड़ गया। उनकी इस गलती की वजह से पूरी टीम को बीसीसीआई की लताड़ का सामना करना पड़ा। एशिया कप से पहले बेंगलुरु के अलूर में भारतीय टीम का कैंप लगा है जहां सभी खिलाड़ियों को यो-यो टेस्ट देना अनिवार्य है।

किंग कोहली ने गुरुवार को इस टेस्ट में 17.2 स्कोर हासिल किया। इसके बाद सोशल मीडिया पर फैंस के साथ यह स्कोर शेयर किया। उनकी इस हरकत के बाद बीसीसीआई ने अन्य खिलाड़ियों को ऐसा करने से रोका और यो-यो टेस्ट का स्कोर सार्वजनिक रूप से साझा करना कॉन्ट्रैक्ट क्लॉज का उल्लंघन बताया जा रहा है। विराट कोहली

द्वारा यो-यो टेस्ट का स्कोर शेयर किए जाने के बाद अन्य खिलाड़ियों को टीम मैनेजमेंट द्वारा यो-यो टेस्ट के स्कोर सार्वजनिक करने से मना किया गया है। इस मामले की जानकारी रखने वाले बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, खिलाड़ियों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किसी भी गोपनीय मामले को पोस्ट करने से बचने के लिए मौखिक रूप से सूचित किया गया है।

यो-यो टेस्ट में शुभमन गिल शीर्ष पर रहे

भारतीय टीम के खिलाड़ी 31 अगस्त से शुरु हो रहे एशिया कप से पहले नियमित फिटनेस परीक्षण से गुजर रहे हैं जिसमें युवा शुभमन गिल यो-यो परीक्षण में 18.7 के स्कोर से शीर्ष पर रहे। यो-यो परीक्षण कराने वाले सभी क्रिकेटरों ने 16.5 का कट-ऑफ स्तर पार कर लिया है। विराट कोहली ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी के अनुसार 17.2 का स्कोर बनाया। जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन (रिजर्व सदस्य) और केएल राहुल इन पांच क्रिकेटरों को छोड़कर सभी इस टेस्ट को कर चुके हैं। बीसीसीआई ने यह फिटनेस कम अनुकूलन शिविर का आयोजित किया है क्योंकि अक्टूबर में होने वाले विश्व कप से पहले यही एकमात्र विंडो थी। अगर खिलाड़ियों के पास दो टूर्नामेंट के बीच समय रहता है तो एनसीए खेल स्टाफ के साथ मिलकर सभी अनिवार्य परीक्षण करती है।

एशियाई खेलों में भारत उतारेगा 634 एथलीट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केन्द्रीय खेल मंत्रालय ने हांग्झोउ एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए 634 एथलीटों को चुना है। मंत्रालय ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने मंत्रालय के समक्ष 850 एथलीटों की सिफारिश की थी, जिनमें से 38 खेलों में इन 634 नामों को चुना गया।

साल 2018 में एशियाई खेलों के पिछले संस्करण में कुल 572 एथलीटों ने भाग लिया था, जहां भारत 16 स्वर्ण सहित 70 पदक जीतकर लौटा था। भारत एथलेटिक्स में नीरज चोपड़ा की अगुवाई में 34 पुरुषों और 31 महिलाओं सहित 65 प्रतिभागी उतारेगा। जलक्रीड़ा (एक्वाटिक्स) में 22 जबकि तीरंदाजी में 16 खिलाड़ी भारतीय ध्वज संभालेंगे। कुश्ती में 18 पहलवान भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। हाल ही में फिडे विश्व कप में रजत पदक जीतने वाले रमेशबाबू प्रज्ञानंद सहित 10 भारतीय शतरंज में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। भारोत्तोलन में सिर्फ मीराबाई चानू (49 किग्रा) और बिंद्यारानी देवी (55 किग्रा) की एशियाड में तिरंगे के तले खेलेंगी। इस बार एशियाई खेलों में पदार्पण कर रहे ई-स्पोर्ट्स में भारत ने 15 खिलाड़ियों को उतारने का निर्णय लिया है।

पूर्व डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन ब्रे वायट का हार्ट अटैक से निधन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जो ब्रे वायट के नाम से मशहूर तीन बार के डब्ल्यूडब्ल्यूई विश्व चैंपियन विंडहैम रोटुंडा का 36 वर्ष की आयु में हार्ट अटैक से निधन हो गया। डब्ल्यूडब्ल्यूई अधिकारी ट्रिपल एच ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी।

ट्रिपल एच ने एक्स पर लिखा, अभी डब्ल्यूडब्ल्यूई हॉल ऑफ फेम माइक रोटुंडा का फोन आया, जिन्होंने हमें दुखद खबर दी कि हमारे डब्ल्यूडब्ल्यूई परिवार के आजीवन सदस्य विंडहैम रोटुंडा का शुक्रवार को अप्रत्याशित रूप से निधन हो गया। हमारी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं और हम चाहते हैं कि इस समय हर कोई उनकी निजता का सम्मान करे। हालांकि, उनकी मौत का मुख्य कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। ब्रे वायट को इस साल की शुरुआत में कोविड हो गया था, जिससे दिल की समस्याएं बढ़ गईं और यही कारण है कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा और गुरुवार को उनका निधन हो गया। ब्रे वायट के परिवार में उनकी मंगेतर, उनके चार बच्चे, भाई बो डलास और बहन मिका हैं। डब्ल्यूडब्ल्यूई ने रेसलर के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, रिंग में अपने प्रदर्शन और अविश्वसनीय उपस्थिति के लिए जाने जाने वाले ब्रे वायट, अपनी पीढ़ी के एक सुपरस्टार थे।

दूसरी बार पिता बने युवराज सिंह, पत्नी हेजल ने बेटी को दिया जन्म

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह दूसरी बार पिता बन गए हैं। उनकी पत्नी हेजल कीच ने प्यारी सी बच्ची को जन्म दिया। युवराज सिंह ने सोशल मीडिया पर अपनी बेटी के साथ पूरे परिवार की तस्वीर शेयर की और पिता बनने की खबर अपने फैंस को दी।

युवराज सिंह और एक्ट्रेस हेजल कीच ने 30 नवंबर 2016 को शादी की थी। इससे पहले 25 जनवरी 2022 को युवराज सिंह और हेजल ने सोशल मीडिया से अपने पहले बच्चे के आने की घोषणा की थी। युवराज सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, बिना सोए बीती रातें अब और खुशनुमा हो गई हैं,

हम अपनी छोटी राजकुमारी औरा का स्वागत करते हैं, जिससे फैमिली पूरी हो गई। युवराज सिंह ने 10 जून 2019 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। युवराज ने भारत के लिए 40 टेस्ट, 304 वनडे और 58 टी20 मैच खेले हैं।

सात्विक-चिराग की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बाहर

विश्व चैंपियनशिपः क्वार्टरफाइनल में मेजबान डेनमार्क की जोड़ी ने दी मात

कोपनहेगन, (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टरफाइनल में मेजबान डेनमार्क के किम एस्ट्रप और एंडर्स रासमुसेन से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गयी। साल 2022 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय जोड़ी इस बार क्वार्टरफाइनल की बाधा पार नहीं कर सकी।

रासमुसेन-एस्ट्रप की जोड़ी ने 48 मिनट चले मुकाबले में भारतीय युगल को 21-18, 21-19 से हराया। विश्व की नंबर दो भारतीय जोड़ी ने इससे पहले रासमुसेन-एस्ट्रप को छह में से पांच बार हराया था, हालांकि घरेलू दर्शकों के सामने डेनमार्क की इस जोड़ी ने मज़बूत शुरुआत की। सात्विक-चिराग की अप्रत्याशित गलतियों की बदौलत रासमुसेन-एस्ट्रप ने ब्रेक

तक 11-6 की मज़बूत बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद भारतीय जोड़ी की कोशिशों के बावजूद रासमुसेन-एस्ट्रप पहला गेम 21-18 से जीतने में सफल रहे। मेज़बान जोड़ी का आक्रामक रवैया दूसरे गेम में भी बरक़रार रहा और उन्होंने इस बार ब्रेक तक 11-7 की बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद सात्विक-चिराग के बीच अधिक समन्वय देखने को मिला। भारतीय जोड़ी जब 14-10 से पीछे थी तब उन्होंने अगले पांच में से चार पॉइंट अपने पक्ष में करते हुए स्कोर 15-15 पर बराबर कर लिया। मेज़बान युगल ने एक पॉइंट की बढ़त ली लेकिन सात्विक ने नेट पर अपने विपक्षियों से गलती करवाते हुए स्कोर बराबर रखा। भारतीय जोड़ी ने इस समय तक अच्छी वापसी की थी लेकिन एस्ट्रप-रैसमुसन ने अधिक अनुशासन दिखाकर 18-16 की बढ़त बनायी और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। पुरुष एकल खिलाड़ी एचएस प्रणय अब विश्व चैंपियनशिप में एकमात्र भारतीय बचे हैं।

शटलर एचएस प्रणय वर्ल्ड चैम्पियनशिप का सेमीफाइनल हारे

कुन्लावुत वितिसार्न ने 3 गेम में हराया, ब्रॉन्ज मेडल

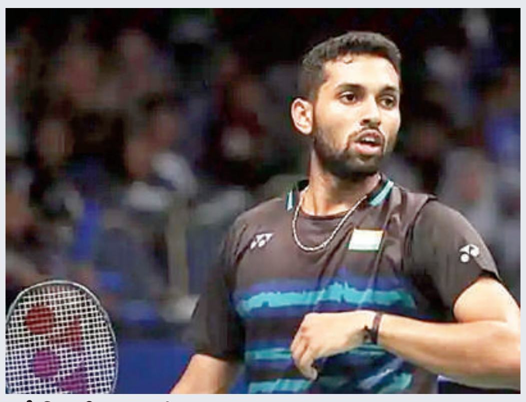

नई दिल्ली। भारत के शटलर एचएस प्रणय वर्ल्ड बैडमिंटन चैम्पियनशिप के फाइनल में नहीं पहुंच पाए। उन्हें मेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल में थाईलैंड के कुन्लावुत वितिसार्न ने हरा दिया। प्रणय ने पहला गेम 21-18 के अंतर से जीत लिया था, लेकिन आखिरी 2 गेम में वितिसार्न ने 13-21, 14-21 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बना ली।

फाइनल मुकाबला डेनमार्क के कोपनहेगन में खेला जाएगा। सेमीफाइनल हारने के बाद प्रणय को ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। वह वर्ल्ड चैम्पियनशिप के मेंस सिंगल इवेंट में मेडल जीतने वाले भारत के 5वें शटलर बने।

प्रणय ने पहला गेम जीता, आखिरी 2 गेम गंवाएः मेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल में प्रणय को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। उन्होंने पहले गेम में अटैकिंग रुख अपनाया और वितिसार्न को बचने का मौका नहीं दिया। अटैकिंग गेम के दम पर प्रणय ने पहला सेट 21-18 के अंतर से जीत लिया।

दूसरे गेम में प्रणय एक समय 6-1 से आगे थे, लेकिन वितिसार्न ने धीरे-धीरे पॉइंट्स लेना शुरू किए और स्कोरलाइन 6-6 कर दी। वितिसार्न ने बराबरी को बढ़त में कन्वर्ट किया और 21-13 के अंतर से मुकाबला जीत लिया।

2 गेम के बाद स्कोरलाइन 1-1 रही। तीसरे गेम में वितिसार्न ने अपना मोमेंटम बनाए रखा और 6-1 की बढ़त बना ली। प्रणय ने यहां से वापसी की और स्कोरलाइन 7-4 कर दी, लेकिन वितिसार्न ने अपनी बढ़त को और मजबूत किया और गेम 21-14 के अंतर से जीत लिया।

प्रणय ने विक्टर एक्सलसन को क्वार्टर फाइनल हराया था

प्रणय ने फर्स्ट राउंड स्वीडन के काले कोलोनेन को 24-22, 21-10 से हराकर जीता था। दूसरे राउंड में उन्होंने इंडोनेशिया के चिको औरा ड्वि वार्डोयो को 21-9, 21-14 से हराया। तीसरे राउंड में उन्होंने सिंगापुर के लोह कीन यूव को 18-21, 21-15, 19-21 से हराया और क्वार्टर फाइनल में एंट्री की।

क्वार्टर फाइनल में प्रणय का सामना वर्ल्ड नंबर-1 विक्टर एक्सलसन से हुआ। यहां उन्हें फर्स्ट गेम में ही 21-13 से हार का सामना करना पड़ गया। पहला गेम हारने के बाद प्रणय ने जबरदस्त वापसी की और 21-15, 21-16 से आखिरी दोनों गेम जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

भारतीय महिला हॉकी टीम की विजयी शुरुआत

विश्व कप क्वालीफायर में मलेशिया को हराया

ओमान, (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियाई हॉकी 5एस विश्व कप क्वालीफायर की दमदार शुरुआत करते हुए अपने पहले मैच में मलेशिया को 7-2 से रौंद दिया।

भारत की इस एकतरफा जीत में कप्तान नवजोत कौर (तीसरा, 28वां मिनट) और मोनिका टोप्पो (12वां, 20वां मिनट) ने दो-दो गोल किये, जबकि अक्षता धेकाले (चौथा मिनट), मरियाना कुजुर (17वां मिनट) और महिमा चौधरी (28वां मिनट) ने एक-एक गोल का योगदान दिया। मलेशिया की ओर से वान वान (सातवां मिनट) और अजीज जाफरिह (11वां मिनट) ही गोल कर सकीं। भारत ने खेल के छोटे प्रारूप में आक्रामक शुरुआत की और उसका खेलने का तेजतर्रार तरीका मलेशिया पर भारी पड़ा।

विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के ट्रायल में जीतीं अंतिम पंघाल

पटियाला, (एजेंसी)। अंतिम पंघाल ने पटियाला में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप ट्रायल जीतकर एक बार फिर देश के शीर्ष पहलवानों में से एक के रूप में उभरने की पुष्टि की। वहीं दिव्या काकरान और सरिता मोर ने एशियाई खेलों के ट्रायल में हार की निराशा से उबरते हुए वैश्विक टूर्नामेंट के लिए अपनी जगह पक्की की। अंतिम (53 किग्रा) हाल ही में अम्मान (जॉर्डन) में अंडर-20 विश्वकप में अपने खिताब का बचाव करने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनी थी। उसने पिछले महीने एशियाई खेलों का ट्रायल भी जीता था। ट्रायल में 53 किग्रा वर्ग में मंजू, पूजा जाट और रजनी ने भी चुनौती पेश की थी लेकिन 16 सितंबर से बेलग्रेड में होने वाले विश्व चैंपियनशिप के लिए अंतिम ने बाजी मारी। विजेता सरिता ने 57 किग्रा में ट्रायल में मानसी अहलावत से मिली अप्रत्याशित हार के बाद यहां शानदार वापसी करते हुए विश्व चैम्पियनशिप का ट्रायल जीतकर टीम में जगह भी पक्की कर ली।

सिटी स्पोर्ट्स

इंटर स्कूल नेट बाल एवं टारगेट बाल प्रतियोगिता में 15 स्कूलों के बालक-बालिकाओं ने लिया हिस्सा

भोपाल, (खेसं)। 14,17 एवं 19 वर्ष के आयु वर्ग के लिए इंटर स्कूल नेट बाल एवं टारगेट बाल खेल प्रतियोगिता का आयोजन मक्सी (मिसरोद) स्थित लीलावती इंटरनेशनल स्कूल में दिनांक 24 एवं 25 अगस्त को किया गया। जिसमें भोपाल के लगभग 15 स्कूलों के बालक-बालिकाओं ने भाग लिया। इस खेल प्रतियोगिता सेंट रॉफेल को-एड स्कूल, एवम् स्कूल, लीलावती इंटरनेशनल स्कूल, सीएल आर्य स्कूल, जीनियस कॉन्वेंट स्कूल, एमजीएम स्कूल, डीएवी स्कूल सहित अन्य स्कूलों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मधु पांसे (संचालक), शेफाली पटेल (प्राचार्य), संयोजक प्रवीण सिंह (शासकीय स्कूल मिसरोद) ने किया।

28 वां नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स अवॉर्ड 21 सितंबर को

भोपाल, (खेसं)। 28 वें नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स (एनएसटी) खेल अवॉर्ड समारोह का आयोजन 21 सितंबर 2023 को एलएनसीटी सभागृह जे के अस्पताल कोलार रोड भोपाल में किया जाएगा। समारोह में देश-प्रदेश के 30 खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। गत वर्ष भी समारोह में 30 खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया था। अवॉर्ड की घोषणा 10 सितंबर-2023 को की जाएगी। नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स के संपादक एवं आयोजन सचिव इंद्रजीत मौर्य ने बताया कि खेल समारोह में स्पोर्ट्स मैन ऑफ द ईयर, खेल रत्न, श्रेष्ठ खिलाड़ी, प्रतिभा खिलाड़ी, लाइफ टाइम, प्रशिक्षक, खेल प्रमोटर, खेल पत्रकार एवं खेल संस्थानों स्कूल, कॉलेज एवं क्लब को अवॉर्ड दिया जाएगा। कार्यक्रम में खिलाड़ियों को अवॉर्ड, सम्मान पत्र, शाल, श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

उपलब्धि

दूसरी बार पैरालंपिक के लिए क्वालीफाई, 45 देशों की टीमें ले रहीं हिस्सा

मप्र वाटर स्पोर्ट्स अकादमी की प्राची यादव ने रचा इतिहास

भोपाल, (खेसं)। मध्य प्रदेश वाटर स्पोर्ट्स अकादमी की होनहार पैरा कैनो खिलाड़ी प्राची यादव ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। प्राची ने जर्मनी के ड्युसबर्ग में आयोजित पैरा कैनो वर्ल्ड चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर पेरिस पैरालंपिक के लिए क्वॉलीफाई कर लिया है।

इसके अलावा पूजा ओझा ने अपने इवेंट में रजत पदक जीता है, लेकिन यह पैरलंपिक इवेंट नहीं था। भारत के सभी टीम व खिलाड़ियों ने फाइनल तक पहुंचकर भारत का नाम रोशन किया है। इस चैंपियनशिप में पैरा इवेंट में 45 देशों की टीमें भाग ले रही है। भारत की प्राची यादव केएल 2 ए इवेंट के फाइनल मुकाबले में पानी में उतरी थी, उन्होंने इसमें शानदार प्रदर्शन किया और चौथा स्थान पाया, वह इसमें पदक जीतने में

सफल नहीं रही, लेकिन पेरिस पैरालंपिक के लिए क्वॉलीफाइ करने में सफल रही है। इस वर्ल्ड चैंपियनशिप में शीर्ष छह खिलाड़ियों को पैरालंपिक का टिकट मिलता है। प्राची इससे पहले टोक्यो पैरालंपिक में भी भारत का प्रतिनिधित्वकर चुकी है।

खेल मंत्री सिंधिया ने दी बधाई

खेल और युवा कल्याण मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने मध्य प्रदेश वॉटर स्पोर्ट्स अकादमी की नंबर वन केनो खिलाड़ी प्राची यादव को पैरालंपिक में क्वॉलीफाई करने की बधाई दी है। उन्होंने प्राची को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके इस मुकाम को हासिल करने से कई अन्य खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी। यह दूसरी बार है जब प्राची ने ओलंपिक्स में क्वॉलिफाई कर अपनी स्थिरता और धैर्य का परिचय दिया है।

जीएसटी को बढ़ावा देने हेतू चालान प्रोत्साहन योजना 1 सितंबर से

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत सरकार टैक्स चोरी पर नकेल कसने के लिए राज्य सरकारों के साथ मिलकर 'मेरा बिल मेरा अधिकार' नाम से एक 'चालान प्रोत्साहन योजना' शुरू कर रही है। यह योजना

6 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू की जाएगी। इस योजना के तहत एप पर बिल अपलोड करने पर 10 हजार रुपए से लेकर 1 करोड़ रुपए तक का नकद इनाम जीत सकते हैं। यह योजना एक सितंबर से लागू की जाएगी। यह योजना जीएसटी पंजीकृत आपूर्तिकर्ताओं के लिए मान्य होगी। इस योजना से केंद्र सरकार के साथ ही उपभोक्ताओं को भी लाभ मिलेगा।

'मेरा बिल मेरा अधिकार' से जीतिए 1 करोड़ तक का इनाम

- ग्राहकों के लिए 1 करोड़ रुपए का इनाम जीतने का मौका।
- मेरा बिल मेरा अधिकार एप डाउनलोड करना होगा।
- 6 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू की जाएगी।

यह योजना असम, गुजरात और हरियाणा राज्यों से होगी शुरू

यह योजना 1 सितंबरको लॉन्च की जाएगी। यह योजना शुरू में असम, गुजरात और हरियाणा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों पुडुचेरी, दादरा नगर हवेली और दमन-दीव में शुरू की जाएगी।

चालान पेश करना होगा

जीएसटी पंजीकृत आपूर्तिकर्ताओं (असम, गुजरात और हरियाणा राज्यों और पुडुचेरी, दादरा नगर हवेली और दमन और दीव के केंद्र शासित प्रदेशों में पंजीकृत) द्वारा उपभोक्ताओं को जारी किए गए सभी बी2सी चालान योजना के लिए पात्र होंगे। लकी ड्रा के लिए विचार किए जाने वाले चालान का न्यूनतम मूल्य 200 रुपए रखा गया है।

इस तरह करना होगा अपलोड

स्टेप 1- सबसे पहले मेरा बिल मेरा अधिकार एप को डाउनलोड करना होगा।

स्टेप 2- अगर एप को डाउनलोड नहीं करना चाहते हैं तो https://web.merabill.gst.gov.in/login पर जाना होगा।

स्टेप 3- यहां कम से कम 200 रुपए के जीएसटी बिल को अपलोड करना होगा। वहीं, एक यूजर हर महीने अधिकतम 25 बिल अपलोड कर सकता है।

मासिक या त्रैमासिक ड्रा निकाला जाएगा

चालान आईओएस और एंड्रॉइड के साथ-साथ वेब पोर्टल 'web.merabill.gst.gov.in' पर उपलब्ध मोबाइल एप्लिकेशन 'मेरा बिल मेरा अधिकार' पर अपलोड किए जा सकते हैं। मेरा बिल मेरा अधिकार योजना के तहत हर महीने 500 से ज्यादा ऑनलाइन लकी ड्रा निकाले जाएंगे।

पैन नंबर, आधार नंबर, बैंक अकाउंट डिटेल्स देनी होगी

इस स्कीम का लाभ उठाने बिल पर दिया गया जीएसटीआईएन इनवॉइस नंबर, अमाउंट, टैक्स अमाउंट और तारीख बतानी होगी। ग्राहक को पैन नंबर, आधार नंबर, बैंक अकाउंट डिटेल्स 1 माह में देनी होगी।

800 लोगों को 10 हजार और 10 को 10 लाख मिलेंगे

वित्त मंत्रालय के अनुसार हर महीने लोगों को जीएसटी के बिल अपलोड करने होंगे। बिल जमा करने वाले लोगों में से 800 लोगों को दस हजार रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। इनमें से 10 को 10 लाख रुपए मिलेंगे। वहीं, दो लोगों को एक करोड़ रुपए मिलेंगे।

एक नज़र

महाबोधि में फायरिंग पुलिसकर्मी की मौत

महाबोधि। विश्वप्रसिद्ध महाबोधि मंदिर परिसर में शुक्रवार दोपहर गोलियों की आवाज से

अफरातफरी मच गई। देसी और विदेशी सैलानियों से भरे रहने वाले बोधगया के महाबोधि मंदिर में हुई इस फायरिंग में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई है। धर्मस्थल को खाली कराते हुए प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। भारी तादाद में पुलिस फोर्स को तैनात कर दिया गया है। सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है।

अमरमणि, उनकी पत्नी की रिहाई पर रोक नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कवियत्री मधुमिता शुक्ला हत्याकांड के दोषियों को समय से

पहले रिहा करने के आदेश पर उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है।दोषियों की रिहाई को बरकरार रखा। मधुमिता हत्याकांड में उम्रकैद की सजा काट रहे पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी और उनकी पत्नी मधुमणि त्रिपाठी को उत्तर प्रदेश शासन ने रिहा करने का आदेश दिया था।

एनसीपी में पड़ी फूट टूट गई पार्टीः राउत

मुंबई। महाराष्ट्र में पिछले कुछ महीनों से राजनीतिक उठापटक लगातार जारी है। एक तरफ

एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे के बीच संघर्ष जारी है। दूसरी तरफ शरद पवार और अजित पवार के बीच संघर्ष हो रहा है। शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने एनसीपी पर कहा है कि एनसीपी में फूट पड़ चुकी है। एक ही पार्टी के दो राष्ट्रीय अध्यक्ष और अध्यक्ष कैसे हैं?

...तो मैं पंजाब में राष्ट्रपति शासन की सिफारिश करूंगा

चंडीगढ़। राजभवन और सीएम के बीच बढ़ी तनातनी के बीच पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित

ने शुक्रवार को भगवंत मान को चेतावनी दी कि वे राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश कर सकते हैं । उनके पत्रों का जवाब नहीं मिला तो फौजदारी प्रक्रिया भी शुरू कर सकते हैं। राज्यपाल ने संकेत दिया कि पुराने पत्रों का जवाब नहीं मिलने से निराश हैं और राष्ट्रपति को रिपोर्ट भेज सकते हैं।

ब्रजमंडल यात्रा से पहले नूंह में इंटरनेट सेवा बंद

नूंह। हरियाणा के हिंसा प्रभावित नूंह में फिर से इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं।शुक्रवार की शाम से

29 अगस्त तक इंटरनेट सेवाओं पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। लोग अपने फोन से सिर्फ कॉलिंग कर पाएंगे, फोन से एसएमएस भी नहीं जाएगा। बताया जा रहा पुलिस प्रशासन की ओर से यह फैसला 28 अगस्त को हिंदू संगठनों की ओर से एक बार फिर ब्रज मंडल यात्रा की घोषणा किए जाने को लेकर लिया गया है।

मणिपुर हिंसा से जुड़ी याचिकाओं का सुप्रीम कोर्ट ने किया निवारण

स्पेशल जजों की नियुक्ति की जाए मजिस्ट्रेट दर्ज करेंगे बयान

गुवाहाटी हाईकोर्ट में ही होगा केसों का ट्रायल और ऑनलाइन होगी गवाही

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मणिपुर में हुई हिंसा का असर पूरे राज्य में देखने को मिला। अलग-अलग जगह हुई हिंसा से जुड़ी कई याचिकाएं सर्वोच्च अदालत में दाखिल की गई थीं, जिसके निवारण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अहम निर्देश दिए हैं।

हिंसा से जुड़े केस के ट्रायल की सुनवाई गुवाहाटी हाईकोर्ट में की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने गुवाहाटी हाईकोर्ट को निर्देश दिया है कि वह सीबीआई की जांच वाले मामलों के लिए एक या उससे अधिक स्पेशल जजों की नियुक्ति करे। मणिपुर के कई याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी कि असम या मिजोरम जैसे राज्यों में इन केस की सुनवाई ना की जाए क्योंकि इससे कई दिक्कतें पैदा होंगी। इसी के बाद शुक्रवार को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कई अहम निर्देश दिए। सुरक्षा को देखते हुए अब आरोपियों, गवाहों की पेशी या रिमांड से जुड़ी गतिविधि ऑनलाइन की जा सकेगी, ताकि इनपर कोई खतरा न हो। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि कोई भी न्यायिक हिरासत मणिपुर में ही दी जानी चाहिए। सीआरपीसी 164 के तहत कोई भी बयान लोकल मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज कराना होगा। मणिपुर के ताजा हालात को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अलग-अलग मामलों में ऑनलाइन प्रक्रिया को तवज्जो देने को कहा है।

> मणिपुर में हुई हिंसा का असर पूरे राज्य में देखने को मिला। अलग-अलग जगह हुई हिंसा से जुड़ी कई याचिकाएं सर्वोच्च अदालत में दाखिल की गई थीं सुप्रीम कोर्ट ने गुवाहाटी हाईकोर्ट को निर्देश दिया है कि वह सीबीआई की जांच वाले मामलों के लिए एक या उससे अधिक स्पेशल जजों की नियुक्ति करे, जो गवाहों के बयान दर्ज कर सकते हैं।

असम या मिजोरम जैसे राज्यों में सुनवाई होने से पैदा हो सकती हैं दिक्कतें

दो समुदायों में हुआ था विवाद

मणिपुर में 3 मई के बाद से ही हिंसा भड़क गई थी, जिसमें अभी तक 150 से अधिक मौतें हो चुकी हैं। राज्य में हिंसा की वजह से हजारों लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा है और अलग-अलग हिस्सों में अभी भी हिंसा की चिंगारी भड़की है। मणिपुर में यह विवाद मैतई और कुकी समुदाय के बीच आरक्षण के मसले को लेकर हुआ था। राज्य की हाईकोर्ट ने मैतइ समुदाय के लिए आरक्षण देने पर विचार करने को कहा था जिसके बाद माहौल बिगड़ गया था।

पीड़ित पक्ष ने किया था असम में ट्रायल का विरोध

पीड़ित पक्ष ने असम में ट्रायल कराने का विरोध किया था, जबकि सरकार की ओर से पक्ष रखा गया था कि असम में बेहतर कनेक्टिविटी है इसलिए वहां ट्रायल की बात कही गई है। हालांकि अब गुवाहाटी हाईकोर्ट से राज्य में ही तमाम मामलों की सुनवाई करने को कहा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सरकार की ओर से आश्वस्त किया गया है कि वहां इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि सुनवाई में कोई दिक्कत न आए।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा

माफ करें..., हम पाकिस्तान को आदेश नहीं दे सकते

सुप्रीम कोर्ट ने भारत-पाक न्यायिक समिति से जुड़ी एक जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। इस याचिका में भारत पाकिस्तान के बीच जारी विवाद को सुलझाने के लिए इस समिति को फिर से तैयार करने का अनुरोध किया गया था। शुक्रवार को इस याचिका पर हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया कि यह उनका अधिकार क्षेत्र नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 'कैसे भारत और पाकिस्तान मछुआरों से जुड़ा मुद्दा सुलझाएंगे? क्या हम पाकिस्तान को आदेश जारी कर सकते हैं? माफ करें।'पीआईएल में जल सीमा का उल्लंघन करने पर पकड़े गए मछुआरों का जिक्र किया गया था। भारत-पाक न्यायिक समिति से जुड़ी इस याचिका पर सुनवाई जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस सुधांशु धूलिया कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ये राजनीतिक मामले हैं और साथ ही यह सुप्रीम कोर्ट का अधिकार क्षेत्र नहीं है।

गृहमंत्री शाह से मिले सीएम

शांति के उपायों की जानकारी दी

मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह ने गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर उन्हें राज्य की मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने गृह मंत्री

को राज्य में स्थिति सामान्य बनाने के लिए उठाए गए कदमों से भी अवगत कराया। राजनीतिक स्थिति पर भी चर्चा की। बैठक में सीएम के साथ राज्य के कुछ मंत्री भी थे। सीएम ने मुलाकात के पहले कहा था कि हम यहां गृह मंत्री से सलाह लेने आए हैं। यहां स्थिति में सुधार हो रहा है। यह बैठक 29 अगस्त को विधानसभा के एक दिवसीय मानसून सत्र से पहले हुई है। 21 को सदन की बैठक नहीं होने के बाद कैबिनेट को दूसरी बार विधानसभा सत्र बुलाने की तारीख की सिफारिश करनी पड़ी। पिछली सिफारिश के बावजूद राजभवन द्वारा कोई अधिसूचना जारी नहीं की गई थी।

राजस्थान में फर्जीवाड़ा!

'भालू, शेर और पांडा' भी ले रहे पेंशन,मचा हड़कंप

झुंझुनूं। राजस्थान के झुंझुनूं में पेंशन उठाने के लिए जन आधार कार्ड में बड़ा फर्जीवाड़ा की खबर है। झुंझुनूं में 10 दिन में 3 से 4 ऐसे केस सामने आ चुके हैं, जिनमें पेंशन उठाने के लिए फर्जीवाड़ा कर एक दर्जन से अधिक नाम जोड़ दिए गए। चौंकाने वाली बात ये है कि ये सारा फर्जीवाड़ा एक ही दफ्तर से किया गया है। यहां दो जन आधार कार्ड ऐसे मिले हैं, जिनमें 16 फर्जी नाम जोड़े गए हैं। दोनों ही कार्ड को बिना जांच किए दो स्तर से जारी कर दिया गया। आमतौर पर जन आधार कार्ड में तीन स्तर पर जांच होती है। अगर व्यक्ति शहरी क्षेत्र का है तो सबसे पहले नगर परिषद, उसके बाद एसडीएम कार्यालय और इसके बाद जयपुर ऑफिस में जांच के बाद जन आधार कार्ड जारी किया जाता है। संबंधित अधिकारियों ने बिना जांच किए दो लेवल पर जन आधार कार्ड को कैसे जारी कर दिया? जनआधार कार्ड में नाम जोड़ने की प्रक्रिया त्रि-स्तरीय होती है।

केस 1

आनंदपुरा की कल्पना के जन आधार कार्ड में 16 नाम जोड़ दिए गए, जिसमें भालू, शेर, पांडा और फूल को सदस्य बनाया गया। इसमें पेंशन उठाने के लिए उदयपुर और प्रतापगढ़ जिले के 15 पीपीओ नंबर जोड़े गए। इस कार्ड में भी जिला स्तर पर अधिकारियों की लापरवाही सामने आई थी। कार्ड में 16 मई को कल्पना नाम के साथ फूल की फोटो लगाकर फर्जी नाम जोड़ा गया था, जिसे जांचे ही जारी कर दिया गया।

केस 2

24 अगस्त को झुंझुनूं के वार्ड नंबर 1 निवासी नूर बानो महंगाई राहत कैंप में रजिस्ट्रेशन कराने पहुंची थी। जैसे ही जनआधार कार्ड को कर्मचारी ने देखा वह दंग रह गया। कार्ड में 16 फर्जी नाम जुड़े हुए थे। कार्ड मुस्लिम महिला का था लेकिन नाम हिंदू व्यक्तियों के जुड़े हुए थे। सभी में पेंशन के पीपीओ नंबर जोड़े हुए थे, जो उदयपुर जिले के थे। नगरपरिषद और उपखंड कार्यालय से बिना जांचे जारी कर दिया गया।

सबूत दिखाते लोग, एक ही एसएसओ आईडी

इन दोनों जन आधार कार्ड के अलावा एक-दो और ऐसे केस सामने आए हैं, जिनमें एक जैसा ही फर्जीवाड़ा हुआ है। इन सभी में एक चीज कॉमन है। ये सारा फर्जीवाड़ा एक ही एसएसओ आईडी से किया गया है। पीपीओ नंबर भी एक ही जगह उठाए गए हैं। ये तो झुंझुनूं में सामने आया फर्जीवाड़ा है। अगर प्रदेश स्तर की बात की जाए न जाने कितनों के नाम से पेंशन उठाई जा रही है? एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि इस फर्जीवाड़े को जयपुर के बस्सी से अंजाम दिया जा रहा है। एक्सपर्ट जांच में जुटे हैं।

लद्दाख में राहुल का गंभीर आरोप

भारत में 'मुस्लिम' अंडरअटैक, अन्य पर भी हमले

एजेंसी ▶▶ लद्दाख

◆ 2024 लोकसभा में जीत का दावा भी किया

राहुल गांधी ने लद्दाख में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा भारत में मुस्लिम अंडर अटैक हैं। उन पर हमले हो रहे हैं। उन्होंने मणिपुर का भी जिक्र किया और कहा कि मणिपुर पिछले 4 महीने से जल रहा है। साथ ही उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा सरकार को हराने का भी दावा किया। राहुल गांधी ने अपने भाषण में कहा- भारत में मुस्लिम अंडर अटैक हैं। यह गलत नहीं है। साथ ही यह बात भी है कि अन्य लोगों पर भी हमले हो रहे हैं। मणिपुर में आज क्या हो रहा है। पिछले चार महीने से मणिपुर जल रहा है। मुस्लिमों के साथ ही अन्य अल्पसंख्यकों, दलितों और आदिवासियों के साथ ऐसा हो रहा है।

विपक्षी गठबंधन भाजपा को हरा देगा

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि मैं आपको गारंटी देकर कहता हूं कि 2024 में हम भाजपा को हरा देंगे। भाजपा ने पूरे सिस्टम पर कब्जा कर रखा है और लोगों को डरा रखा है। फिर भी मैं दावे के साथ कहता हूं कि विपक्षी गठबंधन भाजपा को हरा देगा।

दावाः चारों राज्यों के चुनाव में कांग्रेस जीतेगी

उन्होंने कहा कि अभी हाल में चार राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। कांग्रेस पार्टी इन चारों चुनाव में जीत हासिल करेगी। राहुल ने आगे कहा कि आप ये मत सोचिए की कांग्रेस पार्टी भाजपा को नहीं हरा सकती है। अगर भाजपा इंस्टीट्यूशंस का गलत इस्तेमाल करके, उन पर कब्जा नहीं करती तो पिछला चुनाव भी नहीं जीत पाती।

आईबी मिनिस्ट्री ने दी सलाह

सट्टेबाजी से जुड़े विज्ञापन न दिखाएं मीडिया संस्थान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने मीडिया संस्थानों को सट्टेबाजी से जुड़े विज्ञापन न दिखाने की सलाह दी है। मंत्रालय की तरफ से जारी एडवाइजरी में कहा गया है

कि इस तरह के विज्ञापनों में काला धन होने की आशंका होती है। यह भी कहा गया है कि इस सलाह का पालन न करने पर सरकार कार्रवाई करने के लिए मजबूर हो सकती है। परामर्श के मुताबिक, सट्टेबाजी से जुड़े प्रमोशनल कंटेंट, बिडिंग या गेम्बलिंग से जुड़े विज्ञापन पर रोक लगनी चाहिए। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने शुक्रवार को मीडिया संस्थाओं, ऑनलाइन विज्ञापन बिचौलियों और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों सहित सभी हितधारकों को किसी भी रूप में सट्टेबाजी/जुए पर विज्ञापन/प्रचार सामग्री दिखाने से तुरंत रोक लगाने करने की सलाह दी है।

पीएम की डिग्री पर मानहानि मामला

सुप्रीम कोर्ट ने भी खारिज की सीएम केजरीवाल की याचिका

नई दिल्ली। पीएम मोदी डिग्री मामले में एक टिप्पणी को लेकर फंसे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। गुजरात यूनिवर्सिटी द्वारा मानहानि मामले पर रोक लगाने की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने सुनने से मना कर दी है।दरअसल, केजरीवाल ने इससे पहले हाईकोर्ट से मानहानि मामले पर स्टे देने का अनुरोध किया था, लेकिन कोर्ट ने मामला खारिज कर दिया था। अब

सीएम हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केजरीवाल की रिवीजन याचिका पहले ही हाईकोर्ट में लंबित है, ऐसे में नई याचिका पर सुनवाई की जरूरत नहीं है। पीएम डिग्री मामले में एक टिप्पणी को लेकर गुजरात यूनिवर्सिटी ने सीएम पर मानहानि का मामला दर्ज किया है।इस मामले में गलत बयानबाजी को लेकर गुजरात यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार पीयूष एम पटेल ने केजरीवाल के उपर मानहानि केस किया है।

आईपीएस और आईएएस के विवाह की चहुंओर हो रही चर्चा

न बैंड-बाजा, न बाराती... 2000 रुपए में रचा ली शादी

आईएएस युवराज और आईपीएस मोनिका ने माला, मिठाई और कोर्ट फीस में किए खर्च

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आईएएस युवराज मरमट और आईपीएस पी मोनिका की शादी इन दिनों सुर्खियों में है। दोनों की शादी के चर्चा सोशल मीडिया पर खूब हो रहे हैं। हाई प्रोफाइल लोग अपनी शादी में लाखों-करोड़ों खर्च कर देते हैं। छत्तीसगढ़ कैडर के आईएएस अधिकारी युवराज मरमट और आईपीएस पी मोनिका ने सादगीपूर्ण तरीके से कोर्ट में शादी की है। माला, मिठाई और कोर्ट फीस में दोनों ने 2000 रुपए खर्च किए हैं। इसके बाद हमेशा के लिए एक दूजे के हो गए हैं। युवराज मरमट रायगढ़ जिले में सहायक कलेक्टर के रूप में पदस्थ हैं। कोर्ट में उन्होंने तेलंगाना कैडर की आईपीएस अधिकारी मोनिका से शादी रचाई है। कोर्ट रूम में मौजूद लोग सादगीपूर्ण शादी को देखकर हैरान थे। दोनों ने कोर्ट रूम में ही एक-दूसरे को मालाएं पहनाई हैं। सात जन्मों तक साथ निभाने की कसम खाई है। जयमाला के बाद दोनों ने लोगों को मिठाई बांटी है।

ट्रेनिंग के दौरान प्यार

आईपीएस अफसर पी मोनिका आईएएस अफसर युवराज मरमट की मुलाकात ट्रेनिंग के दौरान हुई थी। ट्रेनिंग के दौरान ही दोनों का प्यार परवान चढ़ा। आईएएस अफसर युवराज मरमट मूल रूप से राजस्थान के गंगानगर सिटी के रहने वाले हैं। बीएचयू से सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक किया है। आईएएस बनने से पहले इंडियन इंजीनियरिंग सर्विस में उनका चयन हुआ था।

कोर्ट मैरिज मिठाई और माला पर खर्च

आईएएस मरमट और आईपीएस पी मोनिका की शादी में मात्र दो हजार रुपए खर्च हुए हैं। इस शादी में न तो कोई बैंड बाजा था और न बाराती थे। कोर्ट मैरिज के दौरान मिठाई और माला का खर्च हुआ है। जानकारी के अनुसार दोनों की पहचान ट्रेनिंग के दौरान हुई थी।

2021 बैच के अफसर हैं दोनों

आईएएस मरमट और आईपीएस मोनिका 2021 बैच के अफसर हैं। युवराज को छत्तीसगढ़ कैडर मिला है जबकि पी मोनिका तेलंगाना कैडर की हैं। यूपीएससी में आईएएस युवराज मरमट को 458 और पी मोनिका को 637 रैंक आया था।

फैशन आइकॉन हैं मोनिका

इसके साथ ही आईपीएस अफसर पी मोनिका फैशन आइकॉन हैं। वह इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। साथ ही स्टाइलिश भी हैं। आईपीएस पी मोनिका ने पैथोलॉजी में स्नातक किया है। फिटनेस का भी खास ख्याल रखती हैं। शादी के बाद दोनों कैमरे के सामने नहीं आए हैं।

वायनाड में भीषण हादसा

गहरी खाई में गिरी जीप, 8 लोगों की मौत व 3 गंभीर

एजेंसी ▶▶ वायनाड

केरल के वायनाड जिले में शुक्रवार को एक सड़क दुर्घटना में लगभग 8 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर महिलाएं थीं। पुलिस ने इस बात की जानकारी दी। एक जीप 25 मीटर गहरी खाई में गिर जाने से 8 लोगों की जान चली गई। यहां मननथावडी के थाविनहाल ग्राम पंचायत के पास यह हादसा हुआ। हादसे में घायल हुए 2 लोगों को मनंथावाडी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। जीप चालक सहित तीन की हालत गंभीर है। यह दुर्घटना तब हुई जब एक जीप एक बागान से श्रमिकों को लेकर जा रही

थी। कहा गया है कि दुर्घटना में मारे गए सभी वायनाड जिले के रहने वाले थे। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त जीप में ड्राइवर समेत 11 लोग सवार थे।

सीएम ने दिए निर्देश

वन मंत्री एके ससींद्रन ने बताया कि मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने उन्हें मननथावाडी अस्पताल का दौरा करने का निर्देश दिया, जहां घायलों का इलाज किया जा रहा है।

राखी स्पेशल

मन के बंधन की क़ीमत क्या?

अमृता मौर्य, स्वतंत्र पत्रकार जयपुर राजस्थान

रिश्तों के लिए उत्सव मनाना हमारी उत्सवधर्मिता का परिचायक है। भाई-बहन के रिश्ते का उत्सव रक्षा-बंधन भी एक ऐसा ही उत्सव है। उमंग और उल्लास के परिवेश में सामजिक स्नेह बंधन शृंखला की अटूट डोर है राखी। भाई की कलाई में बंधा रक्षा-सूत्र दुनिया के पवित्रतम रिश्ते का प्रतीक है। भाई के रक्षा की कामना और बहन की सुरक्षा की भावना अदृश्य रूप से इसमें पिरोई हुई है।

मान-सम्मान और प्रीत भरी भावना का यूँ तो कोई मोल नहीं है। लेकिन भाई उपहार में बहन को कुछ न कुछ ज़रूर देता है। भेंट और उपहार भी हमारी परम्परा के अटूट हिस्से हैं। पारस्परिकता हमारी धरोहर है।

आज भौतिकवाद ने हमारे रस्मों-रिवाजों और त्योहारों को अपने प्रभाव में ले लिया है।

उपभोक्तावादी संस्कृति हावी है। बाजार सुझाता है कि भाई अपनी बहन को क्या उपहार दे, और बहन किस चीज़ से भाई का मुँह मीठा कराए। कच्चा धागा और रेशम की डोरी अब आभूषणनुमा कीमती सामानों की श्रेणी में आ चुके हैं। महँगी राखियों की होड़ में भावनाओं की कीमत गौण हो रही है। उपहार लेने में भी कीमत हावी हो गई है, भावना कहीं पीछे छूट गयी है।

इस रक्षा-बंधन पर सोचें - मन के भावों को सींचने के लिए क्या चाहिए!

चांद पर पहुँचा हिन्दुस्तान

ललिता मिश्रा, अलवर (राजस्थान)

मां की राखी ले मामा के गया चंद्र पर यान
चांद पर पहुंचा हिन्दुस्तान।
विश्व गुरु कहलाया जग में
किया है कार्य महान
चांद पर पहुंचा हिन्दुस्तान।

अब ये नए राज खोलेगा
नई नई बातें बोलेगा
अथक परिश्रम से भारत का
सफल है अनुसंधान
चांद पर पहुंचा हिन्दुस्तान।

भारत विश्व विजेता अपना
पूरा होगा अब हर सपना
लहरायेगा आज तिरंगा
लेकर नई उड़ान
चांद पर पहुंचा हिन्दुस्तान।

ज्ञान और विज्ञान हमारा
सारे जग में सब से न्यारा
साहस और बुद्धि से हमने
रचा विश्व कीर्ति मान
चांद पर पहुंचा हिन्दुस्तान।

समाचार पत्र में ऑफिस में कार्य करने हेतू लड़के की आवश्यकता।
संपर्क करें-
7976561127

जयपुर की मलाईदार विधानसभा आदर्श नगर और मालवीय नगर पहली पसंद जनप्रतिनिधियों की

माँ लक्ष्मी और विश्वकर्मा भगवान का आशीर्वाद प्राप्त विधानसभा क्षेत्र में आने की मची है मारामारी

कुलदीप गुप्ता

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। विश्वकर्मा भगवान कोनिर्माण का देवतामाना जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार उन्होंने ही सोने की लंका का निर्माण किया था बस यही वजह है कि सोने की लंका सी विधानसभा आदर्शनगर और मालवीयनगर में प्रत्याशियों का अंबार लग गया है।

जो भी जनप्रतिनिधि चुनकर आते हैं चाहे वो विधायक हो या पार्षद अवैध बिल्डिंगों के रहनुमा बन जाते हैं फिर कृपा बरसती है माँ लक्ष्मी की और फ़क़ीरी से अमीरी तक का सफ़र चुटकियों में कट जाता है।

ये चुनाव जनता अपने हित के लिए करती है और ये कहते हैं कि समाज सेवा करने के लिए, देश के विकास के लिए राजनीति में आयें है लेकिन ऐसी आदर्श बातों से कोसों दूर है आदर्शनगर और मालवीय नगर विधानसभा के तमाम जनप्रतिनिधि।

बिल्डिंग बायलॉज के नियमों का सरेआम बलात्कार का जीवंत उदाहरण है।

आवासीय में कॉमर्शियल,बिना सेटबैक के,बिना अनुमति नक़्शा,ले-आउट प्लान के,बिना भूखण्ड रूपांतरण,पुनर्गठन अवैध निर्माणों का गढ़ हैं ये विधानसभाएँ।जो कि शासन और प्रशासन के कुम्भकर्णी नींद का वास्तविक रूप है ।

इन दोनों विधानसभाओं में नगर निगम के अधिकारियों,एईएन, जेईएन से लेकर गजधर की मिलीभगत यहाँ के बिल्डर्स के हौसलें बुलंद करती है और बिल्डर्स बेख़ौफ़ होकर अवैध निर्माण करते हैं और खुलेआम कहते है कि 'विधायक से सेटिंग है कोई क्या कर लेगा?'

'निगम हमारी ज़ेब में हैं!'

इसकी बानगी का आलम ये है कि हर गली में गगनचुंबी इमारतें खड़ी होती जा रही हैं और गलियाँ व सड़कें सिकुड़ गयीं हैं।

किसी भी तरह की कार्यवाही नहीं की जाती है और ग़लती से कार्यवाही करने की कोशिश हो भी जाए तो विधायक साहब का कॉल आ जाता है या उनके पास अच्छी खासी मोटी रकम पहुँच जाती है और बस इसके बाद बिल्डर्स का मौजा ही मौजा। विधायक,पार्षद, प्रशासनिक अधिकारी,कर्मचारी की मिलीभगत और भ्रष्टाचार इन विधानसभाओं के पतन का कारण है-

आइये देखते हैं एक नज़र में आदर्शनगर और मालवीय नगर विधानसभा के नज़ारे...

प्लॉट न.211 रामगली न.02 राजापार्क

प्लॉट न. 526 राजापार्क

प्लॉट न. 529 राजापार्क

C-17 सिंधी कॉलोनी, राजापार्क

आदर्शनगर और मालवीयनगर विधानसभाएँ सोने की लंकाएँ हैं और मलाईदार माल का भंडार भी। आगामी अंकों में लगातार प्रकाशित होंगे इसके नज़ारे। अभी ये केवल राजापार्क के इर्दगिर्द के नज़ारे हैं आगे भी जारी रहेंगे ये। शासन और प्रशासन ने कितनी मुस्तैदी से काम किया है यह अवैध निर्माण और अतिक्रमण यह प्रमाणित कर रहे हैं।

आशीर्वाद शोरूम प्लॉट न.386,राजापार्क गली न.02

C-29 व 30 मंगलम हॉस्पिटल अवैध बिल्डिंग

सिंधी कॉलोनी राजापार्क

LBS कॉलेज के सामने राजापार्क

प्लॉट न. 475 राजापार्क

प्लॉट 720, जवाहरनगर

C-27,सिंधी कॉलोनी राजापार्क

C-24,सिंधी कॉलोनी,राजापार्क

4 म 46 जवाहर नगर

प्लॉट 288 राजापार्क

D-35, रामगली न.02 के सामने,राजापार्क

सार्वजनिक पार्क पर आस्था के नाम पर कब्जा गुरुगोविंद सिंह पार्क गुरुनानकपुरा राजापार्क। यहाँ विशाल घने वृक्ष को अवैध निर्माण के लिए काट दिया गया।

भगत किराना स्टोर राजापार्क

प्लॉट न.111,राजापार्क

प्लॉट न.15,नानकप्लाज़ा के पास

1 क 5 जवाहरनगर

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **सह-संपादक :** कुलदीप गुप्ता, जयपुर मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)